



হিন্দী বাংলা স্পিকিং কোর্স

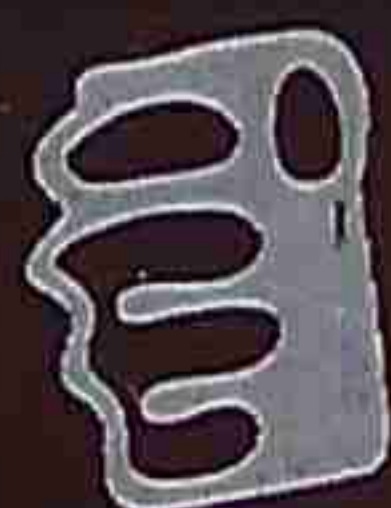
হিন্দী বাংলা

স্পিকিং কোর্স



হিন্দী বাংলা

স্পিকিং কোর্স



Unit 2

হিন্দী-বাংলা পিপিং বেস

হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

Munnaraj994@gmail.com

अ आ इ ई
अ आ इ ई
ऊ औ
ए ऐ
अं अः
आं आः

0105040592

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় (ॐ) এবং (ॐ)-এর ব্যবহার

প্রকাশক :

মোঃ মুন্নার হোসেন খান

সানন্দা প্রকাশনী

মোবাইল : ০১১১১৫৬২৬৬৪

৩৬, বাংলাবাজার, ঢাকা

প্রকাশক কর্তৃক সর্বস্বত্ব সংরক্ষিত

প্রথম প্রকাশ

জানুয়ারি ২০১৪ ইং

মূল্য ৫০.০০ টাকা মাত্র

বর্ণ বিন্যাস

রাফি কম্পিউটার

১১ বাংলাবাজার, ঢাকা-১১০০

মুদ্রণ : বাকো অফসেট প্রেস

১৮, হুমিকেস দাস রোড, একরামপুর, সূত্রাপুর, ঢাকা-১১০০

বাঁধাই : লতিফ বুক বাইন্ডিং হাউস

৩৫নং পাতলা খান লেন, ঢাকা।

হিন্দী বংগলা ব্যঞ্জনবর্ণ

হিন্দী বাংলা ব্যঞ্জনবর্ণ

ক	খ	গ	ঘ	ঙ
ক	খ	গ	ঘ	ঙ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ত	থ	দ	ধ	ন
ত	থ	দ	ধ	ন

প	ফ	ব	ভ	ম
প	ফ	ব	ভ	ম
য	র	ল	ব	শ
য	র	ল	ব	শ
ষ	স	হ	ডে	ডে
ষ	স	হ	ডে	ডে
০	০	ঃ	ক্ষ	জ্ঞ
০	০	ঃ	ক্ষ	জ্ঞ

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় 'য়'-এর ব্যবহার নাই।

॥७.८.
॥७.८.
॥७.८.
॥७.८.
॥७.८.

स्वरवर्ण की परीक्षा
(सं० ओयारुड की परीक्षा)

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ
फ	भ	म	य	र	ल	व
श	ष	स	ह	ळ	ण	त
थ	द	ध	न	प	फ	ब
ज	झ	ञ	ट	ड	ण	त
थ	द	ध	न	प	फ	ब
ज	झ	ञ	ट	ड	ण	त

व्यंजनदर्ण की परीक्षा
 (ওয়ারান্জন ওয়র্ড্‌ की परीक्षा)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

জ	ব	ল	র	ধ	ফ	ঘ
জ	ব	ল	র	ধ	ফ	ঘ
ষ	থ	ঝ	য	ভ	ফ	ঘ
ষ	থ	ঝ	য	ভ	গ	প
ডে	তে	দে	নে	ত্রে	শা	ছা
ডে	তে	দে	নে	ত্রে	শা	ছা
মে	মে	বে	ডে	স	চ	প
টি	ম	ব	ডে	স	চ	প
	ক্ষ			::		
	ক্ষ			::		

স্বরবর্ণের কা মাত্রা (স্বরবর্ণের মাত্রা)

आ = १	इ = २	ई = ३	उ = ४	ऊ = ५
ऌ = ६	ॡ = ७	ऋ = ८	ॠ = ९	ऋ = १०
ऋ = ११	ॠ = १२	ऌ = १३	ॡ = १४	ऋ = १५
ॠ = १६	ऌ = १७	ॡ = १८	ऋ = १९	ॠ = २०

হিন্দী-উচ্চারণ

হিন্দীতে অ, ই, উ, ঋ—এই স্বরবর্ণগুলির উচ্চারণ হ্রস্ব।

আ, ঈ, ऊ, लृ, ए, ऐ, ओ, औ ইত্যাদির উচ্চারণ দীর্ঘ।

হিন্দীতে অ-এর উচ্চারণ অনেকটা বাংলা 'আ'-এর মতো। যথা—अव (আব) हम (হাম) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ऐ'-এর উচ্চারণ বাংলা ঐ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ 'আয়'-এর মত। যথা—है (হ্যায়), मैं (ম্যায়), कैसा (ক্যায়সা), जैसा (জ্যায়সা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'औ'-কারের উচ্চারণ বাংলা ঔ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ অনেকটা 'অও'-এর মতো। যথা—और (আওর), कौन (কওন), कौवा (কওয়া), पौधा (পাওধা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ज'-এর উচ্চারণ বাংলা 'জ'-এর মতো। কিন্তু 'य'-এর উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো। যেমন—यह (ইয়হ), यहाँ (ইয়হাঁ) ইত্যাদি।

হিন্দীতে পেট কাটা 'व'-এর উচ্চারণ বাংলা 'ব'-এর মতো, কিন্তু পেট কাটা 'व' না হলে, অর্থাৎ অন্তস্থ 'व' হলে তার উচ্চারণ 'উও'-এর মতো। যেমন—वह (উওহ), वहाँ (উওহাঁ)।

হিন্দীতে 'य' যদি শব্দের মধ্যে বা পদের শেষে থাকে, তবে তার উচ্চারণ হবে বাংলা 'য়' মতো বা য-ফলা (j)-এর মতো। যথা—नयन (নয়ন), समय (সময়) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'य' বা (j)-ফলা কোনও অক্ষরের সঙ্গে যুক্ত হলে তার উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো হয়। যেমন—कन्या (কনইয়া), गद्य (গদইয়), अभ्यास (অভইয়াস) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'श' ও 'ष' এর উচ্চারণ বাংলা 'শ' ও 'ষ'-এর মতোই, কিন্তু 'ष' যদি 'क'-এর সঙ্গে যুক্ত হয়। তাহলে বাংলা উচ্চারণ 'ক্ষ' কিন্তু হিন্দীতে এর উচ্চারণ হবে 'ক্ষ'-এর মতো হয়। যেমন—परीक्षा (পরীক্ষা)। अपेक्षा (অপেক্ষা) ইত্যাদি।

ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে স্বরমাত্রার যোগ

वारहरवड़ीयाँ

क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छृ	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झृ	झे	झै	झो	झौ	झं	झः

[illegible]

পাঠ-১ (পার্শ্ব-১)

দুই অক্ষরों का मेल (দুই অক্ষরের মিলন)

अव (অব) — এখন।	कव (কব) — কখন	तव (তব) — তখন।
जव (জব) — যখন।	कह (কহ) — বল	रख (রখ) — রাখ।
मत (মত) — না	वन (বন) — হও	फल (ফল) — ফল।
दस (দস) — দশ	चल (চল) — চলা	हल (হল) — লাঙ্গল।
डर (ডর) — ভয়	छत (ছত) — ছাদ	पर (পর) — উপরে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

- * फल चख । (फल चख्) — ফল খাও। घर चल । (घर् चल) — ঘরে চল।
 रस रख । (रस् रख्) — রস রাখো। अब चल । (अब् चल) — এখন চলো।
 डर मत कर । (डर् मत् कर्) — ভয় করিও না।
 छत पर मत चढ़ । (छत् पर् मत् चढ़्) — ছাদের ওপর চড়িও না।

तीन अक्षरों का मेल (তিন অক্ষরের মিলন)

* अलग (অলগ) — পৃথক	* सबक (সবক) — পাঠ	सड़क (সড়ক) — পথ
* डगर (ডগর) — খাল	* कमल (কমল) — পদ্ম	मगर (মগর) — কিন্তু
बहन (বহন) — বোন	शरम (শরম) — লজ্জা	रबड़ (রবড়) — রবার
बढ़ई (বড়ই) — ছুতার	खबर (খবর) — সংবাদ	मदद (মদদ) — সাহায্য

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

- * नमक रख । (नमक् रख्) — লবণ রাখ।
 सड़क पर चल । (सड़क् पर् चल्) — পথের উপর চলো।
 नगर चल । (नगर चल) — শহরে চলো।
 अब डगर पर चल । (अब् डगर् पर् चल) — এখন খালে চল।
 * कमल पकड़ । (कमल पकड़्) — পদ্মফুল ধরো।
 शरम मत कर । (शरम मत् कर्) — লজ্জা করিও না।

चार अक्षरों का मेल (চার অক্ষরের মিলন)

- खटमल (খটমল) — ছারপোকা। नटखट (নটখট) — দুষ্ট

बरगद (বরগদ) — বটগাছ	लगभग (লগভগ) — প্রায়
वचपन (বচপন) — বাল্যকাল	कटहल (কটহল) — কাঁঠাল
पलटन (পলটন) — সৈন্য	कसरत (কসরত) — ব্যায়াম
वरतन (বরতন) — বাসন	झटपट (ঝটপট) — তাড়াতাড়ি

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

- झटपट चल । (झट् पट् चल्) — তাড়াতাড়ি চলো।
 बरगद पर मत चढ़ । (बरगद् पर् मत् चढ़्) — বটগাছে চড়িও না।
 नटखट मत वन । (नट् खट् मत् वन्) — দুষ্ট হইও না।
 खटमल मत पकड़ । (खट् मल् मत् पकड़्) — ছারপোকা ধরিও না।
 कटहल चख । (कट् हल् चख्) — কাঁঠাল খাও।
 पलटन वन । (पल् टन् वन्) — সৈনিক হও।
 शलगम रख । (शलग्म रख्) — শালগম রাখো।
 अब कसरत कर । (अब् कसरत् कर्) — এখন ব্যায়াম করো।

मात्राओं का प्रयोग (मात्राओं का प्रयोग)

आ-का मेल (अ-कार योग)

आ = अ क + आ = का (का)

नया (नया) — नया	आग (आग्) — आग	* इयाद (इयाद्) — अरग
काम (काम्) — काम	आप (आप्) — आप	बड़ा (बड़ा) — बड़ा
आम (आम्) — आम	पका (पका) — पका	* सड़ा (सड़ा) — पठा
देवा (देवा) — देव	चाचा (चाचा) — काका	नाना (नाना) — दादा
तलास (तलास) — सज्जान		बछड़ा (बछड़ा) — बाछुर
आपका (आपका) — आपनार		* अनार (अनार) — डालि
कपड़ा (कपड़ा) — कापड़		कलाई (कलाई) — कब्जी
जबड़ा (जबड़ा) — जोयान		खरहा (खरहा) — खरगोस
चमड़ा (चमड़ा) — चमड़ा		* सामान (सामान) — जिनिस
ताकतवर (ताकतवर) — शक्तिमान		नमकहाराम (नमकहाराम) — अकृत
टमाटा (टमाटा) — टमाटा		नासपाती (नासपाती) — नासपाती

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

নয়া কপড়া পহন। (নয়া কপড়া পহন।) — নতুন কাপড় পরো।
 আপ कहाँ था? (আপ कहाँ था?) — আপনি কোথায় ছিলেন?
 आग मत जाल। (आग मत जान।) — আগুন জ্বেলো না।
 सामान ला। (सामान ला।) — জিনিসপত্র আন।
 दवा खा। (दवा खा।) — ঔষধ খাও।
 चाचा आया। (चाचा आया।) — চাচা এসেছেন।
 नाना आया था। (नाना आया था।) — দাদামশাই এসেছিলেন।
 लड़का चला गया। (लड़का चला गया।) — ছেলেটি চলে গেছে।
 सवाल मत कर। (सवाल मत कर।) — প্রশ্ন করিও না।
 सवाल का जवाब दिया। (सवाल का जवाब दिया।) — প্রশ্নের উত্তর দিয়েছে।

इ-का मेल (इ-कार योग)

इ = ि क + इ = कि (कि)

सिर (सिर) - মাথা	फिर फिर - আবার	दिल (दिल) - হৃদয়
हारिज (हारिज) - উপস্থিত	चिड़िया (चिड़िया) - পাখী	
किताब (किताब) - বই	तकिया (तकिया) - বালিশ	
सितार (सितार) - সেতার	सितारा (सितारा) - নক্ষত্র	
दिमाग (दिमाग) - যন্ত্রিষ্ক	किसान (किसान) - কৃষক	
किधरं (किधरं) - কোনদিকে	नाविक (नाविक) - মারি	
गिरगिट (गिरगिट) - গিরগিটি	सरिता (सरिता) - নদী	
मालकिन (मालकिन) - প্রভুপত্নী	नावालिग (नावालिग) - নাবালিকা	
तबियत (तबियत) - শরীর	नारियल (नारियल) - নারকেল	

बक्य रचना (बक्य रचना)

तालाब छिछला था। (तालाब छिछला था।) — প্রকুরটি গভীর ছিল।
 दिल लगाकर पढ़। (दिल लगाकर पढ़।) — মন দিয়ে পড়ো।
 लिफाफा ला। (लिफाफा ला।) — খাফ আনো।
 नारियल खा। (नारियल खा।) — নারকেল খাও।

किसान जाता था। (किसान जाता था।) — কৃষকটি যাচ্ছিল।
 बछड़ा वहाँ था। (बछड़ा वहाँ था।) — বাছুরটি ওখানে ছিল।
 छतपर चिड़िया था। (छतपर चिड़िया था।) — ছাদের ওপর পাখী ছিল।
 आवाज मत कर। (आवाज मत कर।) — শব্দ করিও না।
 मिता कमरा साफ कर। (मिता कमरा साफ कर।) — মিটা ঘর পরিষ্কার কর।

ई-का मेल (ई-कार योग)

दीप (दीप) - বাতি	खीरा (खीरा) - শশা	माली (माली) - মালী
हाथी (हाथी) - হাতী	पानी (पानी) - জন	तीस (तीस) - ত্রিশ
सभी (सभी) - সমস্ত	कभी (कभी) - কখনও	दही (दही) - দৈ
विमारी (विमारी) - অসুস্থ		जवानी (जवानी) - যুবতী
गीदड़ (गीदड़) - শকুন		वकरी (वकरी) - ছাগী
पपीहा (पपीहा) - পাণিরা		तितली (तितली) - প্রজাপতি
पपीता (पपीता) - পেঁপে		कड़ाही (कड़ाही) - কড়াই
जानकी (जानकी) - সীতা		छिपकली (छिपकली) - টিকটিকি
नजदीक (नजदीक) - নিকটে		मजहबी (मजहबी) - ধার্মিক
सुनहली (सुनहली) - সোনালী		गाड़ीवान (गाड़ीवान) - গাড়োয়ান

बक्य रचना (बक्य रचना)

खीरा ला। (खीरा ला।) — শশা আনো।
 लड़की गाना गाती थी। (लड़की गाना गाती थी।) — মেয়েটি গান গাইছিল।
 तितली उड़ती थी। (तितली उड़ती थी।) — প্রজাপতি উড়ছিল।
 बीणा विमारी थी। (बीणा विमारी थी।) — বীণা অসুস্থ ছিল।
 जीवन बाबु मजहबी आदमी था। (जीवन बाबु मजहबी आदमी था।) — জীবন বাবু ধার্মিক লোক ছিলেন।
 पपीहा नजदीक उड़ती थी। (पपीहा नजदीक उड़ती थी।) — পাণিরা কাছেরে উড়ছিল।

गाड़ीवान गाड़ी चलाता था। (गाड़ीवान गाड़ी चलाता था।) — গাড়োয়ান গাড়ী চালাচ্ছিল।
 रीना पपीता खरिदा था। (रीना पपीता खरिदा था।) — রীনা পেঁপে কিনেছিল।

উ-কা মেল (উ-কার যোগ)

$$उ = उ क + उ = कु$$

কুচ্ছ (কুছ)—কিছু

তুম (তুম)—তুমি

বগুলা (বগুলা)—বক

তুম্হারা (তুম্হারা)—তোমার

পুরানা (পুরানা)—পুরাতন

সুঅর (সুঅর)—শুক্র

খুরদস (খুরদস)—খারালো

খুদ (খুদ)—নিজে

বুরা (বুরা)—মন্দ

গুলাব (গুলাব)—গোলাপ

সুনার (সুনার)—সুনার

কুহরা (কুহরা)—কুয়াশা

বাবুল (বাবুল)—বাবু

থকাহুআ (থকাহুআ)—থকাহু

গুফা (গুফা)—গুহা

দুন্ (দুন্)—দুন্

লুহার (লুহার)—লুহার

সুনার (সুনার)—সুনার

কুহরা (কুহরা)—কুয়াশা

বাবুল (বাবুল)—বাবু

থকাহুআ (থকাহুআ)—থকাহু

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

অব কুচ্ছ খা। (অব কুচ্ছ খা।)—এখন কিছু খাও।

বুরা কাম মত কর। (বুরা কাম মত কর।)—মন্দ কাজ করো না।

লুহার কাম করতা থা। (লুহার কাম করতা থা।)—কামার কাজ করছিল।

সুনার সড়ক পর জাতা থা। (সুনার সড়ক পর জাতা থা।)—সুনার পথের

ওপর দিয়ে যাচ্ছিল।

কাল গুরুবার থা। (কাল গুরুবার থা।)—কাল বৃহস্পতিবার ছিল।

কমরা बहुत পুরানা থা। (কমরা बहुत পুরানা থা।)—ঘর খুব পুরাতন ছিল।

গুলাম সামান লায়া। (গুলাম সামান লায়া।)—চাকর জিনিসপত্র এনেছে।

সুনার গহনা লায়া। (সুনার গহনা লায়া।)—সুনার গয়না এনেছে।

ऊ-কা মেল (উ-কার যোগ)

$$ऊ = उ क + ऊ = कु$$

চুহা (চুহা)—ইদুর

মূলা (মূলা)—দোলনা

মূলী (মূলী)—মূলো

সূরজ (সূরজ)—সূর্য

কপূর (কপূর)—কপূর

হুন্ (হুন্)—হুন্

মূসা (মূসা)—মূসা

ফুফা (ফুফা)—ফুফা

ऊन (ऊन)—উন

पालतू (पालतू)—পালতু

खजूर (खजूर)—খজুর

वातूनी (वातूनी)—বাতুনি

मूसा (मूसा)—মূসা

फुफा (फुफा)—ফুফা

ऊन (ऊन)—উন

पालतू (पालतू)—পালতু

खजूर (खजूर)—খজুর

वातूनी (वातूनी)—বাতুনি

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

ভালুওয়ালা ভালু নাচাতা। (ভালুওয়ালা ভালু নাচাতা।)—ভালুকওয়ালা ভালুক নাচাচ্ছে।

চাকু মত পকড়। (চাকু মত পকড়।)—চাকু ধরো না।

সূরজ নিকলা। (সূরজ নিকলা।)—সূর্য উঠেছে।

কমরা में চুহা থা। (কমরা में চুহা থা।)—ঘরে ইদুর ছিল।

দুকান जरूर जा। (दुकान जरूर जा।)—অবশ্যই দোকানে যাও।

জুতা पहन। (जूता पहन।)—জুতো পর।

কিতাব পড়না শুরু কর। (कितাব पढ़ना शुरू कर।)—বই পড়তে আরম্ভ কর।

বাতুনি মত বন। (वातूनी मत् बन्।)—বাচাল হয়ে না।

ভুখা আদমী খড়া থা। (भूखा आदमी खड़ा था।)—কুখার্ত লোকটি

দাঁড়িয়েছিল।

মীরা कपूर लायी। (मीरा कपूर लायी।)—মীরা কপূর এনেছে।

লড়কী झूला झूलती थी। (लड़की झूला झूलती थी।)—মেয়েটি দোলনা

দুলছিল।

ऋ-কা মেল (ঋ-কার যোগ)

$$ऋ = ृ क + ॠ = कृ$$

कृश (कृश)—কৃশ

कृपा (कृपा)—কৃপা

घृत (घृत)—ঘি

कृषक (कृषक)—কৃষক

मृदंग (मृदंग)—মৃদঙ্গ

तृण (तृण)—তৃণ

नृप (नृप)—নৃপ

गृह (गृह)—গৃহ

कृपण (कृपण)—কৃপণ

पृथक् (पृथक्)—পৃথক

धृत (धृत)—ধৃত

मृग (मृग)—মৃগ

कृत (कृत)—কৃত

वृषभ (वृषभ)—বৃষভ

सदृश (सदृश)—সদৃশ

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

কৃষক हल चलाता था। (कृषक हल चलाता था।)—কৃষক লাঙ্গল করছিল।

हृदय सामान लाया। (हृदय सामान लाया।)—হৃদয় জিনিসপত্র এনেছে।

গরীব पर कृपा कर। (गरीब पर कृपा कर।)—গরীবের প্রতি দয়া কর।

ऋण मत कर। (ऋण मत् कर।)—ঋণ করো না।

कृपाण पकड़। (कृपाण पकड़।)—তলোয়ার ধরো।

गृह बड़ा था। (गृह बड़ा था।)—ঘরটি বড় ছিল।

मृग आया था । (मृग आया था।) — हरिण এসেছিল।
कृपानाथ आया था । (कृपानाथ आया था।) — कृपानाथ এসেছিল।

ए-का मेल (ए-कार वोग)

ए = क + ए = के

खेत (खेत्) — ज़मी	खेला (खेला) — खेला	चेला (छेला) — शिष्या
मेला (मेला) — मेला	केला (केला) — कला	सेब (सेब) — आपल
पेड़ (पेड़) — गाछ	मेरा (मेरा) — आमार	शेर (शेर) — बाघ
बेटी (बेटी) — मेये	छेना (छेना) — छाना	मेज (मेज) — टेबिल
उसके (उसके) — तार	सवेरा (सवेरा) — सकाल	सहेली (सहेली) — सखी
हमेशा (हमेशा) — प्रायई	सफेद (सफेद) — सादा	मेढक (मेढक) — ब्याँ
नेवला (नेवला) — नेडल	भेड़िया (भेड़िया) — थाँकशियाल	
बेवकूफ (बेवकूफ) — बोक	मेहतर (मेहतर) — मेथर	
मेहेरबानी (मेहेरबानी) — कृपा	बेईमान (बेईमान) — बिश्वासघातक	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

पेड़ पर अजगर था । (पेड़ पर अजगर था।) — गाछेर उपर अजगर छिल।
बाजार से केला लाया । (बाजार से केला लाया।) — बाजार थेके कला एनेछे।
मेज पर किताब रख । (मेज पर किताब रख।) — टेबिलेर उपर बई राख।
सवेरा हुआ । (सवेरा हुआ।) — सकाल हयैछे।
हमारा चेला आम लाया । (हमारा चेला आम लाया।) — आमार शिष्या आम एनेछे।
डेरा पर चल । (डेरा पर चल।) — बसाय चलो।
रेल पर सफर कर । (रेल पर सफर कर।) — रेले ब्रमण कर।
वह हमेशा आता है । (वह हमेशा आता है।) — से प्रायई आसे।

ऐ-का मेल (ऐ-कार वोग)

ऐ = क + ऐ = कै

कैसा (क्यासा) — केयन	कैद (क्याद) — जेलखाना	कैची (क्याची) — काँचि
खैरी (खायरी) — खयरी	गैती (गायती) — गाँति	पैर (प्यायर) — पा
जैसा (ज्यासा) — येयन	जैता (ज्याता) — जै रकम	

सैर (सायर) — ब्रमण
में (म्याय) — आमि
वैगन (वायगन) — बेगुन
जैतून (ज्यातून) — छलपाई
पैजनी (प्यायजनी) — नूपुर

बैल (बायल) — बनद
मैना (म्यायना) — मयना
तैरना (त्यायरना) — साँतार देओया
गवैया (गवैया) — गायक
बेचैन (बेचायन) — अज्जान

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

पैदल चल । (प्यायदल चल।) — ईँटे चलो।
मैदान में सैर कर । (म्यायदान में सायर कर।) — गाँठे बेड़ाओ।
बैल घास खाता है । (बायल घास खाता हय।) — बनदटि घास थाछे।
शैलेन तैरता है । (शायलेन त्यायरता हय।) — शैलेन साँतार दिछे।
कैची से काटा है । (क्याची से काटा हय।) — काँचि दिये केटेछे।
पेड़ पर मैना बैठी थी । (पेड़ पर मयना बायठी थी।) — गाछे मयना बसेछिल।
वैगन ला । (वायगन ला।) — बेगुन आनो।
दैनिक अखबार पढ़ो । (दायनिक अखबार पढ़ो।) — दैनिक संवादपत्र पढ़।

ओ-का मेल (ओ-कार वोग)

ओ = क + ओ = को

ओर (ओर) — दिक्	लोग (लोग) — लोक	रोज (रोज) — थताह
मोर (मोर) — मयूर	गोह (गोह) — गोसाप	रोटी (रोटी) — रूटि
होंठ (होंठ) — ठोंठ	कोठी (कोठी) — बाड़ी	थोड़ा (थोड़ा) — अल
धोबी (धोबी) — धोपा	घोड़ा (घोड़ा) — घोड़ा	छोटा (छोटा) — छोट
ऊनको (ऊनको) — ताशके	हमको (हमको) — आमाके	इसको (इसको) — ईशके
टोकरी (टोकरी) — बुड़ि	पतोहू (पतोहू) — पूजबधू	भोतरा (भोतरा) — भोता
रसोइया (रसोइया) — रौधुनि		कोहार (कोहार) — कुमार
		खोपड़ी (खोपड़ी) — माथार खुनि
		डरपोक (डरपोक) — डीठ

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

धोबी कपड़ा काचता था । (धोबी कपड़ा काचता था।) — धोपा कापड़ काचिछिल।

वह रोटी खाता है। (उयह् रोटि खाता हाय।) — से रूटि खाछे।
मोर नाच रहा है। (मोर नाच रहा हाय।) — मयूर नाछे।
वहाँ एक लोमड़ी थी। (उयहाँ एक लोमड़ी थी।) — ओथाने एकटि र्खेकशियान
हिन।

मोहन का छोटा भाई आया। (मोहन का छोटो भाई आया।) — मोहनर
छोटो भाई एसेछे।

चिड़िया बोल रही है। (चिड़िया बोल रही हाय।) — पाथी डाकछे।

एक टोकरी लाओ। (एक् टोकरी लाओ।) — एकटि बुड़ि आनो।

वह कैची भोथरा था। (उयह् कायची भोथरा था।) — ऐ काँचिटी भौताहिन।

औ-का मेल (उ-कार योग)

औ = ऌ क + औ = कौ।

कौन (क०न्) — के	कौआ (क०या) — काक	और (अ०र) — एवं
मौसा (म०सा) — मेसो।	पौधा (प०धा) — चारागाहजौ (ज०) — यव	
नौ (न०) — नय।	तौल (त०ल) — उजन	मौत (म०त) — मृत्यु
सौत (स०त) — सतीन	नौका (न०का) — नौका	चौक (च०क) — चमकानो
नौकर (न०कर) — चाकर	औरत (अ०रत) — स्त्रीलोक	मौसम (म०सम) — ऋतु
खिलौना (खिल०ना) — खेलना	दौलत (द०लत) — धन-सम्पद	
बिछौना (बिछ०ना) — बिछना	सरौत (सर०ता) — जाँति	
तौलिया (त०लिया) — तोयाने	फोलाद (फ०लाद) — इस्पात।	
हथौड़ी (हथ०ड़ी) — शतृडि	चौदह (च०दह) — चौद	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

छत पर कौआ बैठा था। (छत पर क०या ब्याठा था।) — छाने काक बसेहिन।

नौका पर सैर कर। (न०का पर स्यासर कर।) — नौकाय लमण कर।

नौकर बजार गया। (न०कर बजार गया।) — चाकर बाजारे गेछे।

मौसी खिलौना लायी। (म०सी खिल०ना लायी।) — मासी खेलना एनेछे।

यह बरसात का मौसम है। (इयह् बरसात का म०सम हाय।) — एटि बर्षा

रतु।

राम चौदह तारिख को आया। (राम च०दह तारिख को आया।) — राम
चौदह तारिखे आनये।

कौन दौलतपुर गया? (क०न् द०लतपुर गया?) — के दौलतपुर गेछे?
लुहार हथौड़ी से काम करता था। (लुहार हथ०ड़ी से काम करता
था।) — कामार शतृडि दिये काज करहिन।

-का मेल (१ [अनुसार] - योग)

— क + = कं

कंधा (कन्धा) — चिकनी	नंगा (नंगा) — उलझ
भाजा (भान्जा) — भागने	पंजा (पन्जा) — पांजा
चींटी (चींटी) — पिंपड़े	चोंच (चोंच) — पाथीर ठोंठ
शंख (शन्ख) — शींथ	मांस (मान्स) — मांस
पंखा (पन्खा) — पाखा	गेंडा (गेन्डा) — आख
लंगूर (लन्गूर) — बाँदर	गुंगा (गुन्गा) — बोवा
झींगुर (झीन्गुर) — बिबिपोका	डंक (डन्क) — दंशन
अंगूर (अन्गूर) — आम्रूर	पंडूक (पन्डूक) — पानकौड़ि
पंखुड़ी (पन्खुड़ी) — पापड़ि	लंगड़ा (लंगड़ा) — खोड़ा
तुरंत (तुरन्त) — ताड़ताड़ि	अंधेरा (अन्धेरा) — अंधकार
शकरकंद (शकरकन्द) — राधाआलू	डंठल (डन्ठल) — बृष्ठ
	महंगा (महन्गा) — दाम्नी
	सतरंज (सतरन्ज) — दावाथेला

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

लाल रंग का फूल लाओ। (लाल रंग का फूल लाओ।) — लाल रंगेर फूल
आनो।

गेंदा पीला रंग का होता है। (गेन्दा पीला रंग का होता हाय।) — गौंदा
हलदे रंगेर हय।

जंगल में गेंडा था। (जन्गल् में ग्यायन्डा था।) — जमने गंगार हिन।

लंगड़ा आदमी खड़ा था। (लंगड़ा आदमी खड़ा था।) — खोड़ा लोकटि
दाँडियेहिन।

दंगा मत कर। (दन्गा मत कर।) — दासा कोर ना।

कल मंगलवार था। (कल् मन्गल्वार था।) — काल मंगलवार हिन।

गुलाब का पंखुड़ी लाल था। (गुलाब का पन्खुड़ी लाल था।) — गोलापेर
पापड़ि लाल हिन।

अंधेरा हुआ । (अन्धेरा हुआ) — अन्धकार হয়েছে।

तुरंत सामान रख । (तुरन्त सामान रख) — ताड़ताड़ि जिनिसपत्र राखो।
हंस सफेद होता है । (हन्स सफेद होता है) — हँस साना হয়।

का मेल ([क + विन्] - योग)
— क + ० = क

आँख (आँख) — चक्षु	कहाँ (कहाँ) — कोथाय	आँधी (आँधी) — बाड़
वहाँ (वहाँ) — सेथाने	मुँह (मुँह) — मुख	भाँह (भाँह) — ज
गेहूँ (गेहूँ) — गय	जाँघ (जाँघ) — जानू	साँढ़ (साँढ़) — साँढ़
गाँव (गाँव) — ग्राम	ऊँट (ऊँट) — उट	साँफ (साँफ) — मोरी
कुआँ (कुआँ) — कुआ	साँझ (साँझ) — सका	ताँवा (ताँवा) — तामा
कुआरी (कुआरी) — कुमारी	गँवार (गँवार) — गोंयार	
हस्तुआ (हस्तुआ) — काटारि	भूँकना (भूँकना) — कुकुरेर डाक	
आठवाँ (आठवाँ) — अष्टम	काँपल (काँपल) — मुकुल	
गेहूँअन् (गेहूँअन्) — गोथरो साप	एँचाताना (एँचाताना) — टेरा	

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

आप कहाँ से आया ? (आप कहाँ से आया ?) — आपनि कोथा धेके एलेन ?
वहाँ एक लड़की बैठी थी । (वहाँ एक लड़की ब्याठी थी) — सेथाने एकटि मेये बसेछिल।

ताँवा एक धातु है । (ताँवा एक धातु है) — तामा एकटि धातु।
चाँद निकला है । (चाँद निकला है) — चाँद उठेछे।
झाड़ी में गेहूँअन साँप है । (झाड़ी में गेहूँअन साँप है) — बोपे गोथरो साप आछे।

आठवाँ पाठ पढ़ो । (आठवाँ पाठ पढ़ो) — अष्टम पाठ पढ़।
रामू एक गँवार आदमी है । (रामू एक गँवार आदमी है) — रामू एकटि गोंयार लोक।

दुकान से साँफ लाओ । (दुकान से साँफ लाओ) — दोकान धेके मोरी आनो।

आम का काँपल आया । (आम का काँपल आया) — आमेर मुकुल ऐसेछे।

का मेल ([विन्] - योग)

— क + ० = क

छः (छह) — छय
तपः (तपह) — तपसा
दुःखी (दुःखी) — दुःखी
दःशासन (दुःशासन) — दुःशासन

अतः (अतह) — अतएव
नमः (नमह) — प्रणाम
दुःसह (दुःसह) — दुःसह

पुनः (पुनह) — आबार
अधः (अधह) — निम्नदिक्
निःसहाय (निःसहाय) — सहायहीन

वाक्य रचना (वाक्य रचना)

दरवाजे पर दुःखी आदमी खड़ा है । (दरवाजे पर दुःखी आदमी खड़ा है) — दरवाजे पर दुःखी लोकटि दीड़िये आछे।

एक बात पुनः पुनः मत बोलो । (एक बात पुनः पुनः मत बोलो) — एक एक बार बार बोलो ना।

दुःख में धीरज रखो । (दुःख में धीरज रखो) — दुःखे धैर्य धरो।
कल छः तारीख है । (कल छह तारीख है) — कल छय तारीख।

दुःशासन कौरव थे । (दुःशासन कौरव थे) — दुःशासन कौरव छिलेन।
योगी तपः करता था । (योगी तपः करता था) — योगी तपसा करछिलेन।

अतः तुम कल आना । (अतः तुम कल आना) — अतएव तुमि कल आसबे।

पाठ—२ (पाठ—२)

छोटे छोटे वाक्य (छोट छोट वाक्य)

मैं अभी आ रहा हूँ । (मैं अभी आ रहा हूँ) — आमि এখনई आसछि।
जैसी आपकी मर्जी । (जैसी आपकी मर्जी) — येमन आपनार इच्छा।
और कुछ ? (और कुछ ?) — आर किछु ?
नहीं, कभी नहीं । (नहीं, कभी नहीं) — ना, कখনओ नय।
इसे आपनी चीज ही समझें । (इसे आपनी चीज ही समझें) — एके निजेर जिनिस बलेई मने करबेन।

साफ कीजिए, मुझे देर हो गई । (साफ कीजिए, मुझे देर हो गई) — साफ करन, आमार देरी হয়ে গেছে।

अपने काम में मेरी मदद ले लीजिए । (आपने काम में मेरी मदद ले लीजिए।)—आपনার কাজে আমার সাহায্য নিন।

आप थोड़ा खिसकेंगे ? (आप थोड़ा खिसकेंगे?)—आपनि एकটু সরবেন? बड़े दुःख का समाचार । (बड़े दुःख का समाचार।)—बूढ़ে দুঃখের সংবাদ। फटाफट करिए । (फटाफट करिए।)—ताড়াতাড়ি করুন।

कितने अपमान की बात है ! (कितने अपमान की बात है।)—কি অপমানের কথা।

उसकी इतनी हिम्मत ? (उसकी इतनी हिम्मत?)—তার এতো সাহস?

नगवान को लाख शुक्र है । (नगवान को लाख शुक्र है।)—ভগবানকে লক্ষবার ধন্যবাদ।

इधर आओ । (इधर आओ।)—এদিকে এসো।

उधर देखो । (उधर देखो।)—ওদিকে দেখ।

पास आओ । (पास आओ।)—কাছে এসো।

उपर जाओ । (उपर जाओ।)—ওপরে যাও।

धीरे चलो । (धीरे चलो।)—ধীরে হাঁটো।

तुरंत आओ । (तुरंत आओ।)—তাড়াতাড়ি এসো।

तैयार हो जाओ । (तैयार हो जाओ।)—প্রস্তুত হয়ে পড়ো।

मत भूलो । (मत भूलो।)—ভুলো না।

मुझे मत सताओ । (मुझे मत सताओ।)—আমাকে কষ্ট দিও না।

फिर कोशिश करो । (फिर कोशिश करो।)—আবার চেষ্টা কর।

वह कभी कभी यहाँ आता है । (वह कभी कभी यहाँ आता है।)—সে কখনও কখনও এখানে আসে।

यही किताब मुझे चाहिए । (यही किताब मुझे चाहिए।)—এই বই আমার চাই।

रमला उसी किताब को पढ़ रही है ? (रमला उसी किताब को पढ़ रही है?)—রমলা ঐ বইটিই পড়ে?

नहीं, वह दूसरी किताब है । (नहीं, वह दूसरी किताब है।)—না, ওটা অন্য বই।

राम कल आएगा । (राम कल आएगा।)—রাম কাল আসবে।

तुम कहाँ जाओगे ? (तुम कहाँ जाओगे?)—তুমি কোথায় যাবে? आज मैं हंगली जाऊंगा । (आज मैं हंगली जाऊंगा।)—আজ আমি হুগলী যাবো।

तुम भी हमारा साथ जाओगे ? (तुम भी हमारा साथ जाओगे?)—তুমিও আমার সঙ্গে যাবে?

पतोहू कब आयी ? (पतोहू कब आयी?)—পতোহু কবে এসেছে?

अब अंधेरा हो गयी । (अब अंधेरा हो गयी।)—এখন অন্ধকার হয়ে গেছে।

स्वपन सुबह उठता है । (स्वपन सुबह उठता है।)—স্বপন সকালে ওঠে।

नरेश पिताजी का बात मानता है । (नरेश पिताजी का बात मानता है।)—नरेश पिताजी की बात मानती है । (शीला माताजी की बात मानती है।)—नरेश बाबा की बात मानती है । (शीला माताजी की बात मानती है।)—शीला माता की बात मानती है ।

श्रीला माताजी की बात मानती है । (शीला माताजी की बात मानती है।)—शीला माता की बात मानती है ।

श्रीला माता की बात मानती है ।

पाठ — ३ (पाठ—३)

युक्ताक्षर (युक्ताक्षर)

हिन्दी वर्णमालার ব্যঞ্জনবর্ণগুলিকে তিনটি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। (১) শেষে দাঁড়ি যুক্ত বর্ণ, (২) মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ এবং (৩) দাঁড়ি বিহীন। এদের মধ্যে শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো—খ, গ, ন ইত্যাদি।

মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলি হলো—ক, ঙ, ঞ এবং ফ ।

দাঁড়িবিহীন বর্ণগুলি হলো—চ, ট, ব ।

হিন্দী বর্ণমালায় শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো মোট একুশটি। যেমন—খ, গ, ঘ, ঙ, জ, ঞ, ধ, ণ, ল, থ, ন, প, ব, ভ, ম, য, র, শ, ষ এবং স ।

উপরোক্ত শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলির সঙ্গে অপর কোনও বর্ণ যুক্ত করতে হলে, শেষের দাঁড়ি তুলে দিয়ে অন্য বর্ণ যুক্ত করতে হয়। যেমন—খ + ত = খত, গ + ম = গম, চ + চ = চ্চ, জ + জ = জ্জ, ণ + ঙ = ঞ্জ ইত্যাদি।

আবার যে সব ব্যঞ্জনবর্ণের মাঝে দাঁড়ি আছে, তাদের সংখ্যা মাত্র তিনটি; সে কথা আগেই বলা হয়েছে। এর মধ্যে ‘ঙ’-এর কোনও যুক্তাক্ষর হয় না। কেবলমাত্র ঙ

এক ফ'-এর যুক্তাকর হয়। আবার ফ'-এর মাত্র একটি, তাও আবার নিজের সঙ্গে যুক্ত হয়। এই দুটি ব্যঞ্জনবর্ণের শেষাংশ বাদ দিয়ে যুক্তাকর করতে হয়। যেমন—
ক + ক = ক্ক = পকা (পকা)—পাকা।

ক + য = ক্য — ক্যা (ক্যা)—কি

ক্যারী (কেয়ারী)—আল, সাজানো।

ক + ল = কল—কলেশ (কেশ)—কষ্ট কলাস (ক্লাস)—শ্রেণী।

ক + শ = কশ—নকশা (নকশা)—মানচিত্র।

ক + স = কস—নুকস (নুজ)—ক্রটি।

ফ + ত = ফত—দফতর (দফতর)—অফিস।

দাঁড়ি বিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ হলো, মোট—নয়টি। যেমন—ড, ঙ, ট, ব, ড, ঢ, দ, হ এবং র।

এর মধ্যে 'র' ব্যঞ্জনবর্ণটি অন্যভাবে যুক্ত হয়ে থাকে। যেমন—'র' (র) যদি প্রথম বর্ণ হয়, তাহলে () রেফ আকারে পরিবর্তিত হয়ে পরবর্তী বর্ণের মাথায় বসে। যেমন—

র + ক = র্ক—তর্ক (তর্ক)—তর্ক

র + প = প—সর্প (সর্প)—সাপ।

র + ম = র্ম—শর্ম (শর্ম)—লজ্জা।

র + ব = র্ব—সর্ব (সর্ব)—সব

ফর্ক (ফর্ক)—তফাৎ

অর্পণ (অর্পণ)—দান করা।

পর্ব (পর্ব)—পর্ব।

গর্ব (গর্ব)—গর্ব।

আবার 'র' (র) দ্বিতীয় বর্ণ হলে শেষ ব্যঞ্জনবর্ণের নীচে () র-ফলা হয়ে যুক্ত হয়। এই র-ফলা দাঁড়িযুক্ত বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ক + র = ক্র—চক্র (চক্র)—চাকা

ব + র = ব্র—ব্রত (ব্রত)—ব্রত

আবার এই র-ফলা দাঁড়িহীন ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে তীরের ফলার মতো নিচে যুক্ত হয়। যেমন—

দ + র = দ্র—ভদ্র (ভদ্র)—ভদ্র ট + র = ট্র—ট্রাম (ট্রাম)—ট্রামগাড়ী

আবার 'র' (র) আটটি দাঁড়িবিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ অন্যান্য বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ড + ক = ড্ক = অড্ড (অড্ড) ড + খ = ড্খ—ডাঙ্ক (ডাঙ্ক)

ড + গ = ড্গ—ডাঙ্গা (ডাঙ্গা) চ + চ = চ্চ—অচ্চা (অচ্চা)—ভালো

ট + ট = ট্টি—পট্টী (পট্টী)—পটি খট্টা (খট্টা)—টক

ট + ঠ = ট্ঠ—চিট্ঠী (চিট্ঠী)—চিঠি ড + ড = ড্ড—গুড়ী (গুড়ী)—ঘুড়ি

ড + ঢ = ড্ঢ—বুড়ী (বুড়ী)—বুড়া ট + য = টয়—নাটয় (নাট্‌ইয়)—নাটক

ঠ + য = ঠয়—পাঠয় (পাঠা)—পাঠ দ + দ = দ্ধ—গদী (গদী)—গদী

দ + ব = দ্ব—দ্বার (দ্বার)—দরজা দ + ধ = দ্ধ—যুদ্ধ (ইয়ুদ্ধ)—যুদ্ধ

ল + য = ল্য—মাল্য (মাল্‌ইয়)—মালা দ + ভ = দ্ভ—উদ্ব (উদ্ব)—উদ্ব

হ + ম = হ্ম—ব্রাহ্মণ (ব্রাহ্মণ)—ব্রাহ্মণহি + ব = হ্ভ—জিহ্বা (জিহ্বা)—জিহ্বা

হ + র = হ্র—হ্রাস (হ্রাস) হ + য = হ্য—সেহ্য (সেহ্‌ইয়)—লেয়

আবার কতকগুলি যুক্তাকর নিম্নরূপে লেখা হয়। যেমন—

ক + প = ক্প—পক্ষ (পক্ষ)—পক্ষ কক্ষা (কক্ষা)—শ্রেণী

জ + জ = জ্জ—জ্ঞান (গেয়ান)—জ্ঞান বিজ্ঞান (ওয়িগ্‌য়ান)—বিজ্ঞান

ত + র = ত্র—পাত্র (পাত্র)—পাত্র চাত্র (চাত্র)—ছাত্র

শ + র = শ্র—শ্রমিক (শ্রমিক)—শ্রমিক শ্রীমান (শ্রীমান)—শ্রীমান

যদি তিনটি ব্যঞ্জনবর্ণ একসঙ্গে যুক্ত হয়। তাদের যুক্তরূপ হয় নিম্ন প্রকার।

যেমন—

ঘ + ড + য = ড্ঘ্য—উল্ঘ্য (উল্ঘ্য)

জ + জ + ব = জ্জব উজ্জবল (উজ্জবল)

ন + ধ + য = ন্ধ্য—সন্ধ্যা (সন্ধ্যা)—সন্ধ্যা

ন + ত + র = ন্ত্র—যন্ত্র (ইয়ন্ত্র)—যন্ত্র সম্ভ্রম (সম্ভ্রম)—সম্ভ্রম

ঘ + ট + র = ট্ঠ্র—রাষ্ট্র (রাষ্ট্র)—রাষ্ট্র

স + ত + র = স্ত্র—অস্ত্র (অস্ত্র)

পাঠ—৪ (পাঠ—৪)

ব্যবহারিক শব্দাবলী (ব্যবহার্য শব্দসমূহ)

আত্মীয় (আত্মীয়)

পিতা (পিতা)—বাবা

ভাই (ভাই)—ভাই

মাতা (মাতা)—মা

বহন (বহন)—বোন

छोटा भाई (छोटा भाई) — छोटा भाई
छोटी बहन (छोटी बहन) — छोटी बहन

बेटा (बेटा) — बेटा

चाचा (चाचा) — चाचा

दादा (दादा) — दादा

ताऊ (ताऊ) — ताऊ

बड़ा भाई (बड़ा भाई) — बड़ा भाई

बड़ी बहन (बड़ी बहन) — बड़ी बहन

नाना (नाना) — नाना

मौसा (मौसा) — मौसा

फूफा (फूफा) — फूफा

भानजा (भानजा) — भानजा

सासुर (सासुर) — सासुर

साला (साला) — साला

पोता (पोता) — पोता, पोती, पोहिता

पोती (पोती) — पोती, पोती, पोहिती

पताहू (पताहू) — पताहू रिस्तेदार (रिस्तेदार) — आशीश-रखन

बेटी (बेटी) — बेटी

भाची (भाची) — भाची

दादी (दादी) — दादी

ताई (ताई) — ताई

भाभी (भाभी) — भाभी

जीजाजी (जीजाजी) — बड़-उम्र-पति

नानी (नानी) — नानी

मौसी (मौसी) — मौसी

फूफा (फूफा) — फूफा

भानजी (भानजी) — भानजी

सास (सास) — सास

दामाद (दामाद) — दामाद

शरीर के अंग (शरीर के अंग)

देह-अंग-प्रत्यङ्ग

बदन (बदन) — शरीर

गरदन (गरदन) — गला

दिमाग (दिमाग) — दिमाग

भौंह (भौंह) — भौंह

नाक (नाक) — नाक

गाल (गाल) — गाल

कन्धा (कन्धा) — कंधा

स्तन (स्तन) — स्तन

सिर (सिर) — सिर

खोपड़ी (खोपड़ी) — माथार खुलि

आँख (आँख) — आँख

बाल (बाल) — बाल

कान (कान) — कान

होंठ (होंठ) — होंठ

छाती (छाती) — छाती

फेफड़ा (फेफड़ा) — फेफड़ा

हृदय (हृदय) — हृदय

घोंघ (घोंघ) — घोंघ (मम्पूर्ण हाथ)

हथेली (हथेली) — हाथ-तल

गुहनी (गुहनी) — गुहनी

पेट (पेट) — पेट, उपर

जोंघ (जोंघ) — जोंघ

कमर (कमर) — कमर

हड्डी (हड्डी) — हड्डी

नाखून (नाखून) — नाखून

एड़ी (एड़ी) — गोड़ाली

फल (फल) — फल

आम (आम) — आम

आँवला (आँवला) — आमलकी

केला (केला) — केला

कटहल (कटहल) — कौठाल

खजूर (खजूर) — खजूर

जैतून (जैतून) — जलपत्र

पपीता (पपीता) — पपीता

नींबू (नींबू) — नींबू

संतरा (संतरा) — कमलालेव

सवेदा (सवेदा) — सवेदा

खीरा (खीरा) — खीरा

फूल (फूल) — फूल

गुलाब (गुलाब) — गुलाब

कनेर (कनेर) — कनेर

चम्पा (चम्पा) — चम्पा

कोपल (कोपल) — कोपल, कलि

रोड़ (रोड़) — रोड़

हाथ (हाथ) — हाथ

कलाई (कलाई) — हाथ-कलाई

ऊंगली (ऊंगली) — अंगुली

पैर (पैर) — पैर

घुटना (घुटना) — घुटना

नितम्ब (नितम्ब) — नितम्ब

जस (जस) — नाड़ी

पलक (पलक) — जोड़-पाता

खून (खून) — खून

अंगूर (अंगूर) — अंगूर

अमरुद (अमरुद) — अमरुद

किसमिस (किसमिस) — किसमिस

खरबूजा (खरबूजा) — खरबूजा

जामुन (जामुन) — जामुन

तरबुज (तरबुज) — तरबुज

नासपाती (नासपाती) — नासपाती

सेब (सेब) — सेब

सीताफल (सीताफल) — सीताफल

लीचु (लीचु) — लीचु

गेन्डा (गेन्डा) — गेन्डा

फूल (फूल) — फूल

कमल (कमल) — कमल

जूही (जूही) — जूही

गेन्दा (गेन्दा) — गेन्दा

पंखुड़ी (पंखुड़ी) — पंखुड़ी

गाछ (गाह) — गाह

* पेड़ (पेड़) — बड़ गाह

डाल (डाल) — शाखा

जड़ (जड़) — शिकड़

* रूढ़ (वरगढ़) — बटगाह

* ताड़ का पेड़ (ताड़ का पेड़) — तानगाह।

चाय का पौधा (चाय का पौधा) — चा गाह।

नारियल का पेड़ (नारियल का पेड़) — नारिकेल गाह।

जानवर (जान्वर) — जानोवार

गाय (गाय) — गाय गुरु

बछेड़ा (बछेड़ा) — बाहुर

भेड़िया (भेड़िया) — भेड़ा, मेव।

* बकरा (बकरा) — छाग

कुत्ता (कुत्ता) — कुकुर

बिल्ली (बिल्ली) — बेड़ान

सुंओर (सुंओर) — सुंकर

* हिरण (हिरण) — हरिण

खरहा (खरहा) — खरगोस

सिंघार (सिंघार) — शिंघान

शेर (शेर) — बाघ

गैन्डा (गैन्डा) — गंठार

* चूहा (चूहा) — बड़ इंदुर

* पौधा (पौधा) — चारागाह

पत्ता (पत्ता) — पाता

पिपल (पिपल) — अश्व गाह

* बाबूल (बाबूल) — बाबूना गाह

* बैल (बैल) — बलद

* बकरी (बकरी) — छागी

भैस (भैस) — मरिह

घोड़ा (घोड़ा) — घोड़ा

कुतिया (कुतिया) — कुकुरी

गदहा (गदहा) — गाधा

उँट (उँट) — उँट

हाथी (हाथी) — हाती

नेवला (नेवला) — नेडल

लोमड़ी (लोमड़ी) — खैकशियान

भालू (भालू) — भालूक

लंगूर (लंगूर) — लंगूर

मूसा (मूसा) — नेरुटि इंदुर

सरीसृप (सरीसृप) — सरीसृप

साँप (साँप) — साप

गिरगिट (गिरगिट) — गिरगिट

गोह (गोह) — गोसाप

मेढक (मेढक) — बाघ

केंचुआ (केंचुआ) — केंचुआ

छिपकिली (छिपकिली) — टिकटिक

कछुआ (कछुआ) — कछप

बिच्छु (बिच्छु) — बिछा

* पंछी (पंछी) — पाखी

पंछी, चिड़िया (पंछी, चिड़िया) — पाखी

कोयल (कोयल) — कोकिल

कठफोड़वा (कठफोड़वा) — काठठाकरा

वत्तक (वत्तक) — शंस *

चमगादड़ (चमगादड़) — चमटिका

मोर (मोर) — मयूर

बगुला (बगुला) — बक *

सुग्गा (सुग्गा) — टिया *

पापीछा (पापीछा) — पापिया *

कबुतर (कबुतर) — पायरा

कौआ (कौआ) — काक

वत्तकी (वत्तकी) — शंसी *

* गीध (गीध) — शकून

मोरनी (मोरनी) — मयूरी

मैना (मैना) — मयना

तोता (तोता) — तोता

मछरंगा (मछरंगा) — मछरांठा

रंग (रंग) — वर्ण

पीला

सफेद (सफेद) — सादा *

लाल (लाल) — लाल

नारंगी (नारंगी) — नारंगी

धूरा (धूरा) — धाकी *

हरा (हरा) — हरक *

बैंगनी (बैंगनी) — बैंगनी *

काला (काला) — कालो

गुलाबी (गुलाबी) — गोलापी

नीला (नीला) — नील

पीला (पीला) — हलदे

सुनहला (सुनहला) — सोनानी *

विविध वर्ण (विविध वर्ण) — विविध वर्ण *

* ख़ाद (ख़ाद) — खाद

मीठा (मीठा) — मिठ

चटपटा (चटपटा) — चटपटा *

* ख़ारा, नमकीन (ख़ारा, नमकीन) — नोन्ता

खट्टा (खट्टा) — टक *

तीखा (तीखा) — तीख *

कड़ुया (कड़ुया) — तिष्ठ, कट्ट

कीड़े-मकोड़े (कीड़े-मकोड़े) — कीट-पतंग

चींटी (चींटी) — चिंटी

खटमल (खटमल) — खरपोका

झींगुर (झींगुर) — बिबिपोका

तितली (तितली) — प्रजापति *

मच्छर (मच्छर) — मशा *

तेलचिट्टा (तेलचिट्टा) — आरुण

जुगनू (जुगनू) — जोनाकी *

मक्खी (मक्खी) — माछि *

मकड़ा (मकड़ा)—मकड़ना
फातिगा (फातिगा)—फाड़

भौरा (भौरा)—भौर
मधु मक्खी (मधु-मक्खी)—मोम

तरकारियां (तरकारियां)—शकर-मक्खी

आलू (आलू)—आलू
दूंगन (दूंगन)—दूंगन
चचीड़ा (चचीड़ा)—चिचिड़ा
भीण्डि (भीण्डि)—गाड़न
घिया (घिया)—नाउ
टमाटर (टमाटर)—टमाटो
फुलगोभी (फुलगोभी)—फूलकपि
कुंडहा (कुंडहा)—कुमड़ा
प्याज (प्याज)—पेंग्राज
जदरक (जदरक)—आदा
छिम्पी (छिम्पी)—सिम

परवल (परवल)—पटल
मूली (मूली)—मूलो
गाजर (गाजर)—गाजर
करला (करला)—करला
पेठा (पेठा)—चलकूमड़ा
शलगम (शलगम)—शलगम
बंदगोभी (बंदगोभी)—बंदकपि
सैजन (सैजन)—सजिना
लहसुन (लहसुन)—रसून
इमली (इमली)—तेतूल
शकरकंद (शकरकंद)—राडाआन

★ नसाल्ला (नसाल्ला)—यशना

अरहर दाल (अरहर दाल)—अड़हर डाल

उड़द दाल (उड़द दाल)—बिरि डाल

मुंग दाल (मुंग दाल)—मुंग डाल

चना (चना)—छेना

सरसों (सरसों)—सरसे

सौंफ (सौंफ)—सोरी

तिल (तिल)—तिन

साबुदाना (साबुदाना)—साबू

नमक (नमक)—नमक

शहद (शहद)—मधु

जज्वायन (जज्वायन)—झुआन

कड़ेया तेल (कड़ेया तेल)—सरसेर तेल

हल्दी (हल्दी)—हलुद

धनिया (धनिया)—धने

मुंगफली (मुंगफली)—चीनाबादाम

मेथी (मेथी)—मेथी

मिर्च (मिर्च)—मिर्च

इलायची (इलायची)—एलाच

लौंग (लौंग)—लवंग

सुखा मिर्चा (सुखा-मिर्चा)—कुल्लो नमक

गुड़ (गुड़)—गुड़

खैर (खैर)—खैर

खाने पीने की चीजें (खाने पीने की चीजें)

खानाबदुल समूह

चावल (चावल)—चान
रोटी (रोटी)—रुटि
दाल (दाल)—डाल
दही (दही)—दही
मट्ठा (मट्ठा)—घोल
खीर (खीर)—पायस
पुलाव (पुलाव)—पोलाव
मछली (मछली)—माछ
अचार (अचार)—आचार
रसगुल्ला (रसगुल्ला)—रसगोला

बीमारियां (बीमारियां)—बाधिसमूह

बुखार (बुखार)—झर।
खाँसी (खाँसी)—काशि
अजीर्ण (अजीर्ण)—बदहजम
बवासीर (बवासीर)—अर्श
काली खाँसी (काली खाँसी)—शुकनो काशि
कृमि (कृमि)—कृमि
खूजली (खूजली)—चूलकानी
चोट (चोट)—आघात
आपत्मार (आपत्मार)—भूगी
लकड़ा (लकड़ा)—पक्काघात
विषमज्वर (विषमज्वर)—मालेरिया
हैजा (हैजा)—कलेरा
मधुमेह (मधुमेह)—बध्मेह
बमन (बमन)—बमि

जुकाम (जुकाम)—सर्दि

छाजन (छाजन)—चर्मरोग

दमा (दमा)—हँपानी

अतिसार (अतिसार)—उदरामय

फुंसी (फुंसी)—ब्रण

लु-लगाना (लु-लगाना)—लू-लागा

बमन (बमन)—बमि

चक्र आना (चक्र आना)—माथाघोरा

आँख दुखना (आँख दुखना)—चक्षुरोग

कोड़ (कोड़)—कुष्ठ

पेचिस (पेचिस)—आमाशय

चेचक (चेचक)—वसु

केंचुया (केंचुया)—कृमि

आँख आना (आँख आना)—चक्षु उठा

जाति विषयक (जाति विषयक)—जाति समूह

हिन्दू (हिन्दू)—हिन्दू

मुसलमान (मुसलमान)—मुसलमान

कुम्हार (कुम्हार) — कुम्हार
ठठेरा (ठठेरा) — काँसारी
जूलाहा (जूलाहा) — ताँती
सैनिक (सायनिक) — सैनिक
धोबी (धोबी) — धोपा
चंडाल (चन्डल) — चाँडाल

लोहार (लोहार) — कामार
सुनार (सुनार) — स्वर्णकार
बड़ई (बड़ई) — झुतार
मछुआ (मछुआ) — झेले
नाई (नाई) — नापित
चमार (चमार) — मुँचि
भांगी (भांगी) — मेथर

घर का सामान (घर का सामान) गृहस्थानीय वस्तु

घर (घर) — घर
इमारत (इमारत) — पाका बाड़ी
दीवार (दीवार) — दीवार
छत (छत) — छत

किला (किला) — दुर्ग
झोंपड़ी (झोंपड़ी) — झुँड़ेघर
कमरा (कमरा) — कमरा
रसोईखाना (रसोईखाना) — रानाघर
गोदाम (गोदाम) — गुदाम

गुसलखाना (गुसलखाना) — स्नानघर

भंडार (भंडार) — भंडार

टट्टी (टट्टी) — पायखाना

खिड़की (खिड़की) — जानाला

किराये का मकान (किराये का मकान) — भाड़ा का मकान

अंगीठी (अंगीठी) — ऊन

दिया (दिया) — दीप

ढक्कन (ढक्कन) — टाकना

झुला (झुला) — झूलना

पलंग (पलंग) — पालक

तकिया (तकिया) — बालिश

चटाई (चटाई) — शायर

आईना (आईना) — आरना

प्याला (प्याला) — पेयाला

खिलौना (खिलौना) — खेला

आराम कुर्सी (आराम कुर्सी) — आराम कुर्सी

आराम कुर्सी (आराम कुर्सी) — आराम कुर्सी

आराम कुर्सी (आराम कुर्सी) — आराम कुर्सी

शोने का कमरा (शोने का कमरा) — शयनघर

दरवाजा (दरवाजा) — दरवाजा

बगीचा (बगीचा) — बागान

भाड़ा का मकान

कड़ाही (कड़ाही) — कड़ाही

चलनी (चलनी) — चालनी

कील (कील) — पेंसिल

खाट (खाट) — खाट

बिछौना (बिछौना) — बिछौना

दरि (दरि) — सतरा

चारपाई (चारपाई) — चारपाई

कंधी (कंधी) — चिकनी

रस्सी (रस्सी) — रस्सी

गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया

गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया

गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया

गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया

कुर्सी (कुर्सी) — चेयर
मेज (मेज) — टेबल
पंख (पंख) — पाखा
झाड़ु (झाड़ु) — झाड़ु, बाँटा
बरतन (बरतन) — बरतन
थाली (थाली) — थाला
कटोरा (कटोरा) — बाँटी
चक्की (चक्की) — चक्की
सन्दुक (सन्दुक) — सिन्दुक
गद्दा (गद्दा) — गद्दा
चदर (चदर) — चादर
धोती (धोती) — धोती
परदा (परदा) — परदा
टोपी (टोपी) — टोपी
चुला (चुला) — ऊन
कीचड़ (कीचड़) — कादा
पुआल (पुआल) — खड

तसवीर (तसवीर) — छवि
चाभी (चाभी) — चाबि, कुन्धी
कंगी (कंगी) — कङ्कन
तशतरी (तशतरी) — रेकाव
गिलास (गिलास) — गिलास
केतली (केतली) — केटनी
पेटी (पेटी) — ट्रांक
तौलिया (तौलिया) — तोयाने
रजाई (रजाई) — लेप
कामिज (कामिज) — छाया
साड़ी (साड़ी) — शाड़ी
चप्पल (चप्पल) — चप्पल
मच्छरदान (मच्छरदान) — मच्छरदान
बालू (बालू) — बालि
खपरैल (खपरैल) — टालि
कुँआ (कुँआ) — कुँआ

शिक्षा विषयक (शिक्षा विषयक) — शिक्षा विषयक

किताब (किताब) — बই
कलम (कलम) — कलम
दवात (दवात) — दवात
कक्षा (कक्षा) — कक्षा
बंगला (बंगला) — बंगला
अंग्रेजी (अंग्रेजी) — इंग्रजी
इतिहास (इतिहास) — इतिहास
गणित (गणित) — अंक
हस्ताक्षर (हस्ताक्षर) — हस्ताक्षर
शिक्षक (शिक्षक) — शिक्षक

कापी (कापी) — कापी
पेंसिल (पेंसिल) — पेनसिल
स्याही (स्याही) — कालि
विद्यालय (विद्यालय) — विद्यालय
हिन्दी (हिन्दी) — हिन्दी
विज्ञान (विज्ञान) — विज्ञान
भूगोल (भूगोल) — भूगोल
हिसाब (हिसाब) — हिसाब
छुट्टी (छुट्टी) — छुट्टी
अखबार (अखबार) — अखबार

यान-वाहन (इशान-वाहन) — यान-वाहन

बैलगाड़ी (ब्याङ्गगाड़ी) — गरुरगाड़ी।	डोली (डोली) — डूनी, पानकी
टंगा (टङ्गा) — टङ्गागाड़ी	साइकल (साइकल) — साइकेल
मोटर (मोटर) — मोटर	बस (बस) — बस
रिक्स (रिक्स) — रिक्सा	नाव (नाव) — नौका।
रेल (रेल) — रेल	जहाज (जहाज) — जहाज
हवाई जहाज (हवाई जहाज) — एरोप्लेन	
घोड़ा गाड़ी (घोड़ा गाड़ी) — घोड़ार गाड़ी	

महिनों के नाम (महिनों के नाम) — मासों के नाम

वैशाख (वैशाख) — वैशाख	जेठ (जेठ) — जेठ
अषाढ़ (अषाढ़) — अषाढ़	शावन (शावन) — श्रावण
भादों (भादों) — भाद्र	कवार (कवार) — आश्विन
कार्तिक (कार्तिक) — कार्तिक	अग्रहण (अग्रहण) — अग्रहायण
पुष (पुष) — पौष	माघ (माघ) — माघ
फाल्गुन (फाल्गुन) — फाल्गुन	चैत (चैत) — चैत्र

अंग्रेजी महिनों के नाम (अंग्रेजी महिनों के नाम) — इंग्रजी मासों के नाम

जानवरी (जानवरी) — जनवरी	फरवरी (फरवरी) — फरवरी
मार्च (मार्च) — मार्च	अप्रैल (अप्रैल) — अप्रैल
मई (मई) — मई	जून (जून) — जून
जुलाई (जुलाई) — जुलाई	अगस्त (अगस्त) — अगस्त
सितम्बर (सितम्बर) — सितम्बर	अक्तुबर (अक्तुबर) — अक्टोबर
नवम्बर (नवम्बर) — नवम्बर	दिसम्बर (दिसम्बर) — दिसम्बर

वार का नाम (वार का नाम) — वारों के नाम

रविवार (रविवार) — रविवार	सोमवार (सोमवार) — सोमवार
मंगलवार (मंगलवार) — मंगलवार	बुधवार (बुधवार) — बुधवार
गुरुवार (गुरुवार) — गुरुवार	शुक्रवार (शुक्रवार) — शुक्रवार
शनिवार (शनिवार) — शनिवार	

पाठ—५ (पाठ—५)

विविध शब्द (विविध शब्द) — विविध शब्द

अन्दर (अन्दर) — भितर	बाहर (बाहर) — बाहिर
नजदीक (नजदीक) — निकट	दूर (दूर) — दूर
झील (झील) — सरोवर	तालाब (तालाब) — पूर
संख्या (संख्या) — संख्या	शोर (शोर) — गानमान
याद (याद) — स्मरण	दुकान (दुकान) — दोकान
उधार (उधार) — धार, खण	आँसू (आँसू) — जोखेर छन
कंबल (कंबल) — कबल	बजार (बजार) — बाजार
थालि (थालि) — थाला	शादी (शादी) — बिये
पत्थर (पत्थर) — पत्थर	झूट (झूट) — मिथ्या
सच (सच) — सत	खिलौना (खिलौना) — खेलना
गुड़िया (गुड़िया) — गुड़िया	कटोरा (कटोरा) — वाटि
हवा (हवा) — वातास	जेब (जेब) — पकेट
बटन (बटन) — बोतास	पता (पता) — ठिकाना
बुझा (बुझा) — बुझा	बुझी (बुझी) — बुझी
अंधा (अन्धा) — अन्ध	लंगड़ा (लंगड़ा) — खोड़ा
गुंगा (गुंगा) — बोदा	बौना (बौना) — बहिर
नाटा (नाटा) — बेंटे	दोस्त (दोस्त) — बन्धु
दुशमन (दुशमन) — शत्रु	सुराही (सुराही) — कुँझा
किसान (किसान) — कृषक	खेतीवारी (खेतीवारी) — कृषिकार
लम्बाई (लम्बाई) — लम्बा	चौड़ाई (चौड़ाई) — चौड़ा
हत्या (हत्या) — हत्या	हत्यारा (हत्याकार) — हत्याकारी
अच्छा (अच्छा) — जानो	बुरा (बुरा) — बुरा
ताजा (ताजा) — ताजा	सड़ा (सड़ा) — सड़ा
डाकाईती (डाकाईती) — डाकाति	चोरी (चोरी) — चुरी
घोख (घोख) — थतारणा कर	लूटमारना (लूटमारना) — लूटपाट
मंडी (मंडी) — बाजार	मार्ग (मार्ग) — पथ

রেজগারী (রেজগারী)—রেজকী
 সোনা (সোনা)—সোনা
 তাঁবা (তাঁবা)—তাম্বা
 সবালা (সওয়ালা)—প্রশ্ন
 পানী (পানী)—জল
 মৌত (মওত)—মৃত্যু
 শশুরাল (শশুরাল)—শশুরবাড়ি
 আগ (আগ)—আগুন
 দবা (দওয়া)—ঔষধ
 ধরা (ভরা)—ভর্তি
 দাহিনা (দাহিনা)—দক্ষিণ
 আগে (আগে)—সামনে
 প্যাস (প্যাস)—পিপাসা
 ओर (ওর)—দিক
 बहुत (বহুত)—অনেক
 शुखा (শুখা)—শুকনো
 अब (অব)—এখন
 शर्म (শর্ম)—লজ্জা
 आज (আজ)—আজ
 बनना (বননা)—তৈরী হওয়া
 अंधेरा (অন্ধেরা)—অন্ধকার
 दागा (দাগা)—আঘাত করা
 पतला (পতলা)—পাতলা
 दुबला (দুবলা)—রোগা
 आधा (আধা)—অর্ধ
 शायद (শায়দ)—হয়ত
 शहर (শহর)—শহর
 रुपैया (রুপায়্যা)—টাকা

कढ़ाई (কড়াই)—কঠোর
 चाँदी (চাঁদী)—রূপা
 अभरक (অভরক)—অব
 जनाव (জওয়াব)—উত্তর
 जिन्दगी (জিন্দগী)—জীবন
 सरदी (সরদী)—শীত
 मैका (ম্যাকা)—বাপের বাড়ি
 चामड़ा (চমড়া)—চমড়া
 गोली (গোলী)—ট্যাবলেট
 बुँद (বুঁদ)—বিন্দু
 बाँया (বাঁয়া)—বাম
 पिछे (পিছে)—পিছনে
 भूखा (ভূখা)—ক্ষুধার্ত
 पेशा (পেশা)—বৃত্তি
 थोड़ा (থোড়া)—অল্প
 भीगा (ভীগা)—ভিজ়ে
 जब (জব)—যখন
 हररोज (হররোজ)—প্রতিদিন
 कल (কল)—কাল
 बनाना (বনানা)—তৈরী করা
 चाँदनी (চাঁদনী)—জ্যোৎস্না
 सीधा (সীধা)—সোজা
 मोटा (মোট)—মোট
 ताकतवर (তাকতওয়ার)—শক্তিমান
 पुरा (পুরা)—সব
 अचानक (অচানক)—হঠাৎ
 गाँव (গাঁও)—গ্রাম
 पैसा (পেঁসা)—পয়সা

चौअत्री (চওঅত্রী)—সিকি
 नये पैसे (নয়ে প্যাসে)—নয়া পয়সা
 बीमारी (বীমারী)—রোগ
 नौकर (নওকর)—চাকর
 गोद (গোদ)—কোন
 बाद में (বাদ মে)—বাদে
 मर्द (মর্দ)—পুরুষ
 डर (ডর)—ভয়
 बादल (বাদল)—মেঘ
 जंगल (জঙ্গল)—বন, অরণ্য
 ऊम्र (উম্র)—বয়স
 दुल्हा (দুলহা)—বর
 पूँछ (পুঁছ)—লেজ
 खूबसूरत (খুবসূরত)—সুন্দর
 दर्द (দর্দ)—ব্যথা, বেদনা
 धीरे से (ধীরে সে)—আস্তে
 मालिक (মালিক)—প্রভু

अठनी (অঠনী)—আধুলী
 पप्पड़ (পপ্পড়)—পাঁপড়
 अचार (অচার)—আচার
 नौकरानी (নওকরানী)—চাকরানী
 काँख (কাঁখ)—কাঁখ
 बारे में (বারে মে)—সম্পর্কে
 जेनाना (জেনানা)—স্ত্রীলোক
 मछली (মছলী)—মাছ
 लड़ाई (লড়াই)—যুদ্ধ
 खेत (খেত)—জমি
 लकीर (লকীর)—রেখা
 दुल्हिन (দুলহিন)—কনে
 पसीना (পসীনা)—স্বাম
 इजाजत (ইজাজত)—আদেশ
 जल्दी (জল্দি)—তাড়াতাড়ি
 औरत (অওরত)—নারী
 मालकिन (মালকিন)—প্রভুপত্নী

डाक और तार (ডাক অওর তার)—ডাক এবং তার
 डाकखाना (ডাকখানা)—পোস্টঅফিস
 पोस्ट मास्टर (পোস্ট মাস্টার)—পোস্ট মাস্টার
 चिट्ठी (চিট্ঠী)—চিঠি
 तार (তার)—টেলিগ্রাম
 डाकिया (ডাকিয়া)—ডাক পিওন
 लेफाफा (লেফাফা)—খাম
 किराया (কিরায়্যা)—ভাড়া
 महशुल (মহশুল)—মাশুল

पाठ—६ (পাঠ—৬)

व्याकरण (ব্যাাকরণ)

যে কোনও ভাষা ভালোভাবে শিক্ষা করতে হলে, সেই ভাষায় ব্যাকরণ

সম্পর্কে জ্ঞান অর্জন করতে হয়, তা না হলে ভাষা শুদ্ধভাবে বলা ও লেখা যায় না। বাংলা ভাষার মতই হিন্দী ভাষার ব্যাকরণ। তবে কিছু কিছু ক্ষেত্রে এর তফাৎ দেখা যায়। এগুলি ভাবনভাবে জেনে রাখা দরকার। যেমন—সর্বনাম।

বাংলা ভাষায় সর্বনামের নিম্ন ভেদ হয় না। স্ট্রানিস ও পুংলিঙ্গ একই প্রকার থাকে। হিন্দীতে কিন্তু তা নয়। হিন্দী ভাষায় সর্বনাম পুংলিঙ্গ এবং স্ট্রানিস ভেদে ভিন্নরূপে ব্যবহৃত হয়।

(ক) হিন্দীতে প্রথমা বিভক্তিতে কর্তার সঙ্গে 'নে' (নে)-প্রত্যয় যুক্ত হয়। যেমন—আগি খেয়েছি—মैंने खाया' (মায়নে খায়া)। তুমি খেয়েছ—तुमने खाया' (তুমনে খায়া) ইত্যাদি।

(খ) বাংলায় 'এর' বিভক্তির স্থলে হিন্দীতে 'কা' (কা), 'কে' (কে), 'কী' (কী) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—বিমলের ঘর—विमल का घर (ওয়িমল কা ঘর)। আপনার ঘর—आपके घर (আপকে ঘর), শীলার ঘর—शीला की घर (শীলা কী ঘর)। গ্রামের ছেলে—गाँव का लड़का (গাঁও কা লড়কা)। ঘরের বন্দন—घर का बैल (ঘর কা ব্যাল)।

(গ) কোনও কিছুর ওপরে বুঝতে হিন্দীতে 'পর' যুক্ত হয়। যেমন—টেবিলের ওপর—मेज पर (মেজ পর)। বিছানার ওপর—विस्तरा पर (বিস্তরা পর)। ছাদের ওপর—छत पर (ছত পর)। চেয়ারের ওপর—कुर्सी पर (কুর্সী পর)। গাছের ওপর—पेड़ पर (পেড় পর)। ইত্যাদি।

(ঘ) বাংলায় 'এ' 'তে' বিভক্তি স্থলে হিন্দীতে 'মैं' (মৈ) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—পথে—सड़क में (সড়ক মৈ)। ঘরে—घर में (ঘর মৈ)। দোকানে—दुकान में (দুকান মৈ)।

(ঙ) বাংলায় 'ইহতে' স্থলে হিন্দীতে 'সে' (সে) যুক্ত হয়। যেমন—গাছ থেকে—पेड़ से (পেড় সে)। তোমার নিকট ইহতে—तुम से (তুম সে)। তাহার নিকট ইহতে—उस से (উস সে)।

সর্বনাম (সর্বনাম)

বাংলার মত হিন্দীতে দু'টি বচন আছে। যেমন—একবচন (একবচন) ও বহুবচন (ওয়বচন)। একটি সংখ্যা বোঝাতে একবচন এবং একের অধিক বোঝাতে, বহুবচন ব্যবহৃত হয়। হিন্দীতে সর্বনামগুলি একবচন ও বহুবচনে

ভাবে পরিবর্তন হয়, নিচে তার আলোচনা করা হলো।

एकवचन (একবচন)	बहुवचन (ওয়বচন)
मैं (মায়)—আমি	हम (হম)—আমরা
तु (তু)—তুই	तु सब (তু সব)—তোরা
तुम (তুম)—তুমি	तुमलाग (তুমলোগ)—তোমরা
आप (আপ)—আপনি	आपलोग (আপলোগ)—আপনারা
वह (ওয়হ)—সে	वे (ওয়ে)—তারা, তাঁরা, তিনি
मेरा (মেরা)—আমার	हमारा (হমারা)—আমাদের
तेरा (তেরা)—তোর	तु सबका (তু সবকা)—তোদের
तुम्हारा (তুমহারা)—তোমার	तुमलोगों का (তুমলোগোঁ কা)—তোমাদের
आपका (আপকা)—আপনার	आपलोगों का (আপলোগোঁ কা)—আপনাদের
उसका (উসকা)—তাহার	उनका (উন্কা)—তাঁহার, তাঁদের
उनलोगों का (উন্লোগোঁ কা)—উহাদের, তাহাদের	
मुझको, मुझे (মুঝকো, মুঝে)—আমাকে	
तुझको, तुझे (তুঝকো, তুঝে)—তোকে	
तुमको, तुम्हें (তুমকো, তুমহে)—তোমাকে	
आपको (আপকো)—আপনাকে	
उनको, उन्हें (উন্কো, উন্হে)—তাঁহাকে	
उसको, उसे (উসকো, উসে)—তাহাকে	
हमको, हमें (হমকো, হমৈ)—আমাদেরকে	
तु सबको (তু সবকো)—তোমাদের সকলকে	
तुमलोगोंको (তুমলোগোঁকো)—তোমাদেরকে	
आपलोगोंको (আপলোগোঁকো)—আপনাদেরকে	
उनको, उन्हें (উন্কো, উন্হে)—তাঁহাদেরকে (গৌরবার্থে)	
उसको, उसे (উসকো, উসে)—তাহাদের	

ক্রিয়া (ক্রিয়া)

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়া আছে এবং ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। বাংলা ভাষায় বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয় না।

হিন্দীতে বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয়।

বাংলার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। যেমন—(১) বর্তমান (ওয়রতমান), (২) অতীত (অতীত) এবং ভবিষ্যৎ (ভওয়িষ্যইয়)। হিন্দীতে এই তিনটি কাল, লিঙ্গ, বচন অনুসারে ক্রিয়ার ব্যবহার হয়। এ সম্পর্কে বেশ ভালভাবে জ্ঞান লাভ করতে হলে সর্বনামগুলি সম্পর্কে ভালভাবে জানতে হবে। এজন্য প্রথমে সর্বনামগুলির আলোচনা করা হয়েছে।

বর্তমান কাল (ওয়রতমান কাল)

হিন্দীতে বর্তমান কালে—হুঁ, হৈ, হৈঁ, হো বিভক্তি যুক্ত করা হয়। নিচে তার উদাহরণ দেওয়া হলো। যেমন—

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়হবচন)
মैं हूँ (ম্যায় হুঁ)—আমি হই।	हम हैं (হম হাঁয়)—আমরা হই।
तु है (তু হায়)—তুই হস।	तुम हो (তুম হো)—তুমি হও।
आप हैं (আপ হাঁয়)—আপনি হন।	आपलोग हैं (আপলোগ হাঁয়)—আপনারা হন।
वह है (ওয়হ হায়)—সে হয়।	वे हैं (ওয়ে হাঁয়)—তারা বা তিনি হন।

অতীত কাল (অতীত কাল)

হিন্দীতে অতীত কালে লিঙ্গ ও বচন অনুসারে—থা, থে, থী, থোঁ বিভক্তি যুক্ত হয়।

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়হবচন)
मैं था (ম্যায় থা)—আমি ছিলাম।	हम थे (হম থে)—আমরা ছিলাম।
तु था (তু থা)—তুই ছিলি।	तुम थे (তুম থে)—তুমি ছিলে।
आप थे (আপ থে)—আপনি ছিলেন।	आपलोग थे (আপলোগ থে)—আপনারা ছিলেন।
वह था (ওয়হ থা)—সে ছিল।	वे थे (ওয়ে থে)—তাহারা ছিল।
	তিনি ছিলেন। তাঁরা ছিলেন।

ভবিষ্যৎ কাল (ভওয়িষ্যইত কাল)

হিন্দীতে ভবিষ্যৎ কালে লিঙ্গ ও বচন অনুযায়ী—হুঁগা, হোগা, হোগে,

হোগে বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—

একবচন (একবচন)	বহুবচন (ওয়বচন)
मैं हुँगा। (ম্যায় হুঁগা।)—আমি হইব।	हम होंगे। (হম হোংগে।)—আমরা হইব।
तु होगा। (তু হোংগা।)—তুই হবি।	तुम होंगे। (তুম হোংগে।)—তুমি হবে।
आप होंगे। (আপ হোংগে।)—আপনি হবেন।	आपलोग होंगे। (আপলোগ হোংগে।)—আপনারা হবেন।
वह होगा। (ওয়হ হোংগা।)—সে হবে।	वे होंगे। (ওয়ে হোংগে।)—তিনি হবেন।

এতদ্বারা সর্বনামের সঙ্গে বর্তমান, অতীত ও ভবিষ্যৎ কালের বিভক্তিগুলি লিঙ্গ ও বচন অনুসারে দেখানো হলো। এখানে কয়েকটি ক্রিয়া লিঙ্গ ও বচন অনুসারে কিভাবে পরিবর্তিত হয়, তার আলোচনা করা হচ্ছে।

জানা (জানা)—যাওয়া—বর্তমান কাল (একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं जाता हूँ। (ম্যায় জাতা হুঁ।)—আমি যাচ্ছি।
तुम जाता है। (তুম জাতা হায়।)—তুমি যাচ্ছ।
तु जाता है। (তু জাতা হায়।)—তুই যাচ্ছিস।
वह जाता है। (ওয়হ জাতা হায়।)—সে যাচ্ছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम जाते हैं। (হম জাতে হাঁয়।)—আমরা যাই।
तुम जाते हो। (তুম জাতে হো।)—তুমি যাও।
वे जाते हैं। (ওয়ে জাতে হাঁয়।)—তারা যান বা তারা যায়।

এবার উপরোক্ত 'জানা' ক্রিয়াটি স্ত্রীলিঙ্গ 'জাতা' স্থলে 'জাতী' হবে।

যেমন—

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—मैं जाती हूँ। (ম্যায় জাতী হুঁ।)—আমি যাই ইত্যাদি।
স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम जाती हैं। (হম জাতী হাঁয়।)—আমরা যাই।

খানা (খানা)—খাওয়া

(বর্তমান কাল—পুংলিঙ্গ)

যদি প্রথমা বিভক্তিতে 'নে' প্রত্যয় যুক্ত হয়, তাহলে বাক্যগুলি নিম্নরূপ হবে।

যেমন—

মैंने खाया । (মায়নে খায়া।)—আমি খেলাম।

তुने खाया । (তুনে খায়া।)—তুমি খেলি।

उत्तने खाया । (উত্নে খায়া।)—সে খেল।

हमने खाया । (হম্নে খায়া।)—আমরা খেলাম।

तुमने खाया । (তুম্নে খায়া।)—তোমরা খেলো।

उन्होंने खाया । (উন্হোনে খায়া।)—তারা বা তারা খেলেন।

वि. ह.—हैं। 'खाया' हने खाया' (খায়ী)—হবে।

অতীত কাল

हिन्दीत अतीतकाल बेकारत पूनिस एकबचने—था (था) विभक्ति, पूनिस कबचने धे (धे) लुट हरा। येमन—

(एकबचन—पूनिस)

हम खाया था । (हम् खाया था।)—आमि खेयोहि।

तुने खाया था । (तुने खाया था।)—तुई खेयोहिस।

उत्तने खाया था । (उत्तने खाया था।)—से खेयेছে।

(बहुवचन—पूनिस)

हमने खाये थे । (हमने खाये थे।)—आमरा खेयोहि।

तुमने खाये थे । (तुमने खाये थे।)—तोमरा खेयेह।

उने खाये थे । (उने खाये थे।)—तोरा खेयोहिस।

हिन्दीत एकबचने—खाया थी (खायी थी) এবং बहुवचने—खायी थीं (खायी थीं) हवे।

ভবিষ্যৎ কাল

(एकबचन—पूनिस)

मैं खाऊंगा । (মায় খাউংগা।)—আমি খাব।

तुम खायोगे । (তুম খায়োগে।)—তুমি খাবে।

(बहुवचन—पूनिस)

हम खायेंगे । (হম খায়োঙ্গে।)—আমরা খাব।

वे खायेंगे । (ওয়ে খায়োঙ্গে।)—তারা খাবে।

সূচী

पाठ—७ (पाठ—७)

पद परिचय (পদ পরিচয়)

बिमल के पास कलम है । (ওয়িমল কে পাস কলম হায়।)—বিমলের কাছে কলম আছে।

मिता अच्छी लड़की है । (মিতা অচ্চী লড়কী হায়।)—মিতা ভালো মেয়ে।

अनिल और सुनील जल्दी आता है । (অনিল অওর সুনীল জল্দী আতা হায়।)—অনিল ও সুনীল তাড়াতাড়ি আসছে।

आह, मुझे जाने दो । (আহ, মুঝে জানে দো।)—আঃ, আমাকে যেতে দাও।

উপরে চারটি বাক্য দেওয়া হয়েছে। এর মধ্যে প্রথম বাক্যটিতে—বিমল কোনও ব্যক্তির নাম এবং কলম একটি বস্তুর নাম বোঝাচ্ছে।

দ্বিতীয় বাক্যে—अच्छा শব্দটি স্ত্রীলিঙ্গে अच्छী হয়েছে এবং লড়কী শব্দের গুণ বোঝাচ্ছে।

তৃতীয় বাক্যে—जल्दी শব্দটি আতা ক্রিয়ার অবস্থা বোঝাচ্ছে। और শব্দটি অনিল ও সুনীল দুটি বাক্যকে যুক্ত করেছে। जाती है শব্দটি দ্বারা যাওয়া বোঝাচ্ছে।

চতুর্থ বাক্যে—आह শব্দটি দ্বারা মনের আবেগ বা দুঃখ প্রকাশ করছে।

वाक्य में व्यवहृत प्रत्येक शब्द को 'पद' कहते हैं (ওয়াক্ইয় মে ওয়্যহৃত প্রত্ইয়েক শব্দ কো পদ কহতে হায়।)—বাক্যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শব্দকে পদ বলে।

हिन्दी এবং বাংলা উভয় ভাষাতেই পদ পাঁচ প্রকার। যেমন—

১. संज्ञा (সংজ্ঞা)—বিশেষ্য।
২. विशेषण (ওয়িশেবণ)—বিশেষণ।
৩. सर्वनाम (সর্বনাম)—সর্বনাম।
৪. क्रिया (ক্রিয়া)—ক্রিয়া।
৫. अव्यय (অব্ইয়)—অব্যয়।

संज्ञा (संज्ञा)—विशेष्य

বাংলার মতোই হিন্দীতে (সংজ্ঞা) বিশেষ্য পাঁচ প্রকার। যেমন—(১) ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক), (২) জাতিবাচক (জাতিওয়াচক)—জাতিবাচক।

(৩) সমূহবাচক (সমূহওয়াচক), (৪) দ্রব্যবাচক (দ্রব্যওয়াচক), (৫) ভাববাচক (ভাবওয়াচক)।

১. ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক)—যে বিশেষ্য দ্বারা কোনও ব্যক্তি, বস্তু বা স্থানের নাম বুঝায়। তাকে বলা হয় ব্যক্তিবাচক সংজ্ঞা (ওয়ক্তিওয়াচক সংজ্ঞা)। যেমন—হরেন (হরেন), এক ব্যক্তির নাম। গঙ্গা (গঙ্গা)—একটি নদীর নাম। কিতাব (কিতাব) পুস্তক। একটি বস্তুর নাম। কলকাতা (কলকাতা)—কলিকাতা, একটি স্থানের নাম। সোনা (সোনা) একটি ধাতুর নাম ইত্যাদি।

২. জাতিবাচক (জাতিওয়াচক)—এই বিশেষ্য বা 'সংজ্ঞা' দ্বারা এক জাতীয় সব প্রাণী বা বস্তুকে বোঝায়। যেমন—মনুষ্য (মনুষ্যইয়)—মানুষ। শের (শের)—বাঘ। কুত্তা (কুত্তা)—কুকুর। পৌধা (পৌধা)—চারাগাছ।

৩. সমূহবাচক (সমূহওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা এক জাতীয় বহু বস্তুকে একটির মতো বোঝায়।

৪. দ্রব্যবাচক (দ্রব্যওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা যে কোনও দ্রব্যকে বোঝায়।

৫. ভাববাচক (ভাবওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা হর্ষ, বিবাদ, ভয় প্রভৃতি মনের ভাব বোঝায়।

বিশেষণ (ওয়িশেষণ)—বিশেষণ

যে পদের দ্বারা বিশেষ্য পদের দোষ, গুণ, অবস্থা, পরিমাণ বা সংখ্যা বোঝায়, তাকে বিশেষণ বলে।

সংজ্ঞা বা সর্বনাম কী বিশেষতা বতানেবালে শব্দों को विशेषण कहते हैं (সংজ্ঞা ইয়া সর্বনাম কী ওয়িশেষতা, বতানেওয়ালা শব্দों को ওয়িশেষণ্ কহতে হাঁয়)—সংজ্ঞা বা সর্বনামের বিশেষতা বোঝানোর শব্দগুলিকে বিশেষণ বলে। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে।

ঘুরা লড়কা । (ঘুরা লড়কা।)—খারাপ ছেলে।

অচ্ছী লড়কী । (অচ্ছী লড়কী।)—ভালো মেয়ে।

উপরের বাক্যগুলিতে বোঝা যাচ্ছে 'অচ্ছা' এবং 'ঘুরা' শব্দ দুটির দ্বারা লড়কা বিশেষ্য পদের দোষ গুণ বোঝা যাচ্ছে। অতএব 'অচ্ছা' ও 'ঘুরা'

আবার দেখা যাচ্ছে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ লিঙ্গভেদে পরিবর্তন হয় না। আবার অ-কারান্ত বিশেষণ না হলে বিশেষ্যের লিঙ্গ, বচন অনুসারে বিশেষণের পরিবর্তন হয়। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে। (একবচন)

অচ্ছা লড়কী । (অচ্ছা লড়কী।)—ভালো মেয়ে। (একবচন)

অচ্ছে লড়কে । (অচ্ছে লড়কে।)—ভাল ছেলেগুলি। (বহুবচন)

অচ্ছী লড়কিয়াঁ । (অচ্ছী লড়কিয়াঁ।)—ভাল মেয়েগুলি। (বহুবচন)

বাংলা ভাষায় যেমন অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। সেই রকম হিন্দীতেও অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। যেমন—

यह कमरा छोटा है । (ইয়হ্ কমরা ছোটো হায়।)—এই ঘরটি ছোট।

वह गुलाब लाल है । (ওয়হ্ গুলাব লাল হায়।)—এ গোলাপটি লাল।

উপরের বাক্য দুটিতে দেখা যায় 'কমরা' বিশেষ্য পদের পরে 'ছোটো' বিশেষণ এবং 'গুলাব' বিশেষ্য পদের শেষে 'লাল' বিশেষণ বসেছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচন হলে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ এ-কারান্ত হয় এবং স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই ঐ-কারান্ত হয়। যেমন—

छोटा लड़का । (ছোটো লড়কা।)—ছোট ছেলে। (পুং-একবচন)

बड़े लड़के । (বড়ে লড়কে।)—বড় ছেলেরা। (পুং-বহুবচন)

बड़ी लड़की । (বড়ী লড়কী।)—বড় মেয়ে। (স্ত্রী-একবচন)

बड़ी लड़कियाँ । (বড়ী লড়কিয়াঁ।)—বড় মেয়েরা। (স্ত্রী-বহুবচন)

সর্বনাম সর্বওয়নাম—সর্বনাম

সংজ্ঞা বা বিশেষ্য পদের পরিবর্তে যে পদ ব্যবহার করা হয়, তাকে সর্বনাম (সর্বওয়নাম)—সর্বনাম পদ বলে। সর্বনামের উদাহরণ আগেই দেওয়া হয়েছে। এখানেও কয়েকটি উদাহরণ দেওয়া হলো—মैं, हम, तु, तुम, आप, वह, वह, वे, ये क्या, कौन ইত্যাদি।

হিন্দীতে সর্বনাম ছয় প্রকার। যেমন—পুরুষবাচক (পুরুষওয়াচক), নিশ্চয়বাচক (নিশ্চয়ওয়াচক), অনিশ্চয়বাচক (অনিশ্চয়ওয়াচক), প্রশ্নবাচক (প্রশ্নওয়াচক), সম্বন্ধবাচক (সম্বন্ধওয়াচক) ও নিজবাচক (নিজওয়াচক)।

উপরোক্ত ছয়টি সর্বনামের মধ্যে পুরুষবাচক সর্বনামটিই বেশী ব্যবহৃত হয়।
এজন্য এখানে পুরুষবাচক সর্বনামের আলোচনা করা হলো।

পুরুষবাচক সর্বনাম (পুরুষবাচক সর্বনাম)—তিন ভাগে বিভক্ত।
যেমন—(১) উত্তমপুরুষ (উত্তম-পুরুষ) (২) মধ্যমপুরুষ (মধ্যম-পুরুষ) ও
(৩) অন্যপুরুষ (অন্য-পুরুষ)। *munna 404@gmail.com*

উত্তমপুরুষ (উত্তম-পুরুষ)—একবচন
মैं (মায়)—আমি। मेरी (মেরী)—আমার। मुझे (মুঝে)—আমাকে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

मैं निर्धारित समय पर नहीं आ सका। (মায় নির্ধারিত সময় পর
নহী আ সকা।)—আমি ঠিক সময়ে আসতে পারিনি।

मेरी ओर से क्षमा माँग लीजिए। (মেরী ওর সে ছমা মাঁগ
লিজিএ।)—আমার দিক থেকে ক্ষমা চেয়ে নেবেন।

मुझे बड़ा खेद है। (মুঝে বড়া খেদ হ্যায়।)—আমি অত্যন্ত দুঃখিত।
मैं अभी आ रहा हूँ। (মায় অভী আ রহা হুঁ।)—আমি এখনি আসছি।

मध्यमपुरुष (মধ্যম-পুরুষ)—একবচন

तुम (তুম)—তুমি। तू (তু)—তুই।
तुम्हें (তুমহে)—তোমাকে। तुझे (তুঝে)—তোকে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

तुम उसके घर गये थे ? (তুম উসকে ঘর গয়ে থে?)—তুমি ওদের
বাড়ি গিয়েছিলে?

तुम हिन्दी पढ़ते हो ? (তুম হিন্দী পড়তে হো?)—তুমি হিন্দী পড়ছো?

तु कब गया ? (তু কব্ গয়া?)—তুই কবে গিয়েছিলি।

तुम कहाँ जाते हो ? (তুম কহাঁ জাতে হো?)—তুমি কোথায় যাচ্ছো?

अन्यपुरुष (অন্য-পুরুষ)—একবচন

वह (ওয়হ)—সে। यह (ইয়হ)—এই, ইহা।

कौन (কওন)—কে! কোন্। जो (জো)—যে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

वह रोज अंग्रेजी पढ़ता है। (ওয়হ রোজ অংগ্রেজী পড়তা হ্যায়।)—সে
প্রতিদিন ইংরাজী পড়ে।

यह मेरा किताब है। (ইয়হ মেরা কিতাব্ হ্যায়।)—এটি আমার বই।
कौन आया था ? (কওন আয়া থা?)—কে এসেছিল?

उत्तमपुरुष (উত্তম-পুরুষ) मुन्ना 404

वह बचन—हम कल गया था। (হম কল্ গয়া থা।)—আমরা কাল
গিয়েছিলাম।

मध्यमपुरुष (মধ্যম-পুরুষ)

वह बचन—तुमलोग कब गया था ? (তুমলোগ্ কব্ গয়া থা?)—তোমরা
কবে গিয়েছিলে?

अन्यपुरुष (অন্য-পুরুষ)

वह बचन—वे हररोज यहाँ आता हैं। (ওয়ে হররোজ ইয়হাঁ আতা
হ্যায়।)—তারা প্রতিদিন এখানে আসে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যায়, পুংলিঙ্গে অ-কারান্ত ক্রিয়ার পরিবর্তন হয়
না। কিন্তু স্ত্রীলিঙ্গে উত্তমপুরুষ, মধ্যমপুরুষ ও অন্যপুরুষে ক্রিয়ার পরিবর্তন
হয়—যেমন—मैं गयी थी (মায় গয়ী থী)—আমি গিয়াছিলাম। तুম गयी
थी (তুম্ গয়ী থী)—তুমি গিয়েছিলে। वह गयी थी (ওয়হ্ গয়ী থী)—সে
গিয়াছিল।

क्रिया (ক্রিয়া)—ক্রিয়া Verb

বাংলার মতো হিন্দীতে ক্রিয়াপদ আছে। সে কথা আগেই আলোচনা করা
হয়েছে। ক্রিয়া তিনভাগে বিভক্ত অর্থাৎ তিনটি কালে বিভক্ত। যেমন বর্তমান
(ওয়বর্তমান), অতীত (অতীত), भविष्यत (ভওয়িষ্যত)।

ভাষাড়াও ক্রিয়া দুটি শ্রেণীতে বিভক্ত। যেমন—सकर्मक (সকর্মক), এবং
अकर्मक (অকর্মক)।

১. सकर्मक क्रिया (সকর্মক ক্রিয়া)—যে ক্রিয়ার কর্ম থাকে, তাকে বলা
হয় सकर्मक क्रिया। যেমন—

राम किताब पढ़ता है । (राम किताब पढ़ता है।) राम बই पड़े।
मीरा तास खेलती है । (मीरा ताम खेलती है।) मीरा ताम
खेलছে।

पिताजी भात खाता है । (पिताजी भात खाता है।) बाबा भात
खाচ্ছেन।

मैं रोटी खाती हूँ । (मैं रोटी खाती हूँ।) मैं रूटी खाচ্ছেन।

मैं काम करता हूँ । (मैं काम करता हूँ।) मैं काम करছি।

वे काम करते हैं । (वे काम करते हैं।) তারা काम करছে।

उपরের वाक्यগুলিতে—पढ़ता, खेलती, खाता, खाती, करता, करते
प्रभृति क्रियाগুলির कर्म शून्य—किताब, तास, भात, रोटी, काम प्रभृति
कर्म वर्तमान। अतएव एগুলि सकर्मक क्रिया।

जिस क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस
क्रिया में कर्म होता है उससे सकर्मक क्रिया कहते हैं।) —ये क्रियाएँ कर्म
आहे ताके सकर्मक क्रिया बले।

अकर्मक क्रिया (अकर्मक क्रिया)—जिस क्रिया में कर्म नहीं है उसे
अकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस क्रिया में कर्म नहीं है उससे अकर्मक
क्रिया कहते हैं।) —ये क्रियाएँ कर्म नाई ताके अकर्मक क्रिया बले।
येमन—

वह खाता है । (वह खाता है।) —से खाया।

हम करता है । (हम करता है।) —आमरा करছি।

उपরের प्रथम वाक्य बना হয়েছে—खाता है अर्थात् खाচ্ছে, किन्तु कि
खाচ্ছে ता बना हय नि। एजन्य वाक्यটি अकर्मक।

आमर द्वितीय वाक्य बना হয়েছে—करता है (करता है।) —करता है, किन्तु
कि करता है, ता बना हय नि। एजन्य क्रियाটি अकर्मक।

आमर कर्मों समाप्ति वा असमाप्ति भेदे क्रिया दू भागों विभक्त। येमन—

१. समापिका क्रिया (समापिका क्रिया) एवं २. असमापिका क्रिया
(असमापिका क्रिया)।

१. समापिका क्रिया (समापिका क्रिया)—ये क्रियाएँ साहाय्य कर्मों शेष
बोका यय, ताके समापिका क्रिया बले।

हिन्दी व्याकरणे बना হয়েছে—जिस क्रिया से क्रिया की पूर्णता प्रकट
होती है, उसे समापिका क्रिया कहते हैं । (जिस क्रिया से क्रिया की
पूर्णता प्रकट होती है, उसे समापिका क्रिया कहते हैं।) येमन—

अनिल खाया (अनिल खाया।) —अनिल खेय्ये।

सुनील गया (सुनील गया।) —सुनील गियाय्ये।

उपरोक्त वाक्य दू टिप्पणियों में 'खाया' एवं 'गया' एही दू टिप्पणियों द्वारा
अनिल के खाया कर्म और सुनील के खाया कर्म समाप्त হয়েছে बोका यय।
अतएव एही दू टिप्पणियों वाक्य समापिका। एही रकम ये सब काज शेष হয়েছে बोका
यय, ताके समापिका क्रिया बले।

२. असमापिका क्रिया (असमापिका क्रिया)—जिस क्रिया से क्रिया
की अपूर्णता प्रकट होती है, उसे असमापिका क्रिया कहते हैं ।
(जिस क्रिया से क्रिया की अपूर्णता प्रकट होती है, उसे असमापिका क्रिया
कहते हैं।) —ये क्रियाएँ द्वारा कर्मों अपूर्णता प्रकाश पाय, ताके असमापिका
क्रिया बना हय। येमन—

चाय पीकर आओ । (चाय पीकर आओ।) —चां खेय्ये एसो।

भात खाकर जाओ । (भात खाकर जाओ।) —भात खेय्ये याओ।

उपরের वाक्य दू टिप्पणियों में पीकर (पान करे), खाकर (खाकर)—खेय्ये, क्रिया
दू टिप्पणियों द्वारा कर्मों समाप्ति बुकाय्ये ना। सेजन्य एही वाक्य दू टिप्पणियों असमापिका
क्रिया (असमापिका क्रिया) बले।

हिन्दी में क्रियाओं में 'ना' योग करा हय। येमन—जाना (जाना)—याओया,
खाना (खाना)—खाओया, उठना (उठना)—उठा, बैठना (बैठना)—बसा
प्रभृति।

क्रियाएं (क्रियाएँ)—क्रियावाचक शब्दसमूह

बैठना (बैठना)—बसा	ऊठना (ऊठना)—उठा
खाना (खाना)—खाओया	आना (आना)—आसा
जाना (जाना)—याओया	शुलापा (शुलापा)—शोयानो
उतारना (उतारना)—नामानो	उड़ना (उड़ना)—उड़ा
उठाना (उठाना)—जागानो	चबाना (चबाना)—चिबाना

पढ़ना (पढ़ना)—पढ़ा	उठाना (उठाना)—उठाने
पीटना (पीटना)—पिटा	कहना (कहना)—बना
करना (करना)—करा	पीना (पीना)—पान करा
कमाना (कमाना)—उपार्जन करा	काँपना (काँपना)—काँपा
नहाना (नहाना)—नान करा	घुमना (घुमना)—घोरा
गिनना (गिनना)—गणना करा	जीना (जीना)—बाँटा
ढोना (ढोना)—बहन करा	कुदना (कुदना)—लाफाने
गाना (गाना)—गान करा	जानना (जानना)—जाना
तोड़ना (तोड़ना)—भाँटा	चाहना (चाहना)—चाँदना
तैरना (तैरना)—साँतार देওয়া छिपना (छिपना)—नुकाने	खींचना (खींचना)—टाना
ढकना (ढकना)—ढाका देওয়া	पकड़ना (पकड़ना)—पकड़ा
खेलना (खेलना)—खेला	दौड़ना (दौड़ना)—दौड़ाने
डुबना (डुबना)—डोबा	निकलना (निकलना)—बाहिर हওয়া
खलना (खलना)—खेला	सैरना (सैरना)—बेड़ा
टूटना (टूटना)—भाँटा	नफरत करना (नफरत करना)—घृणा करा
घबड़ाना (घबड़ाना)—उद्बिग्न हওয়া	
धोना (धोना)—धोওয়া	खोना (खोना)—हाराने
तौलना (तौलना)—तौलना करा	चुराना (चुराना)—चुरि करा
ढुँढ़ना (ढुँढ़ना)—खोजा	चलना (चलना)—चाँदना
ठहरना (ठहरना)—थामा	छापना (छापना)—छापा
जलना (जलना)—जुला	छोड़ना (छोड़ना)—छोड़ा
जाँचना (जाँचना)—जाँचना	देना (देना)—देওয়া
पालना (पालना)—पोषा	पहुँचना (पहुँचना)—पहुँचाने
पढ़ना (पढ़ना)—पढ़ा	सीना (सीना)—सेनाई करा
पहनना (पहनना)—परा	सोना (सोना)—शोওয়া
पकाना (पकाना)—पकाना करा	लेटना (लेटना)—लेटना
पीसना (पीसना)—पीसाई करा	फुकारना (फुकारना)—फुका
पहचानना (पहचानना)—पहचानना	फँकना (फँकना)—फँकना

मानना (मानना)—माना करा	सीखना (सीखना)—शेखा
समझाना (समझाना)—बोखा	सहना (सहना)—सह करा
बचना (बचना)—बाँटा	बेचना (बेचना)—बिक्री करा
बोलना (बोलना)—बना	सकना (सकना)—पारा
सजाना (सजाना)—साँझाने	बुलाना (बुलाना)—डाका
लौटना (लौटना)—फिरे आसा	भागना (भागना)—पानाने
लेना (लेना)—लेওয়া	भूलना (भूलना)—भूल करा
लूटना (लूटना)—लूट करा	भेजना (भेजना)—पठाणे
मरना (मरना)—मरा	मिलना (मिलना)—देखा हওয়া
लिखना (लिखना)—लेखा	रहना (रहना)—थाका

पाठ—८ (पाठ—८)

क्रिया का काल (क्रिया का काल) क्रियार काल

क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं। (क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं।) क्रियार के रूप के साहाय्ये क्रिया समय के ज्ञान है, तাকে क्रियार काल बना है।

बांग्ला भाषा में हिन्दी से क्रियार तीन काल। वेमन—१। वर्तमान काल (वर्तमान काल), २। भूत काल (भूत काल)—अतीत काल (हिन्दी से अतीत काल के भूत काल बना है।) ३। भविष्य काल (भविष्य काल)।

१. वर्तमान काल (वर्तमान काल)—वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है। (वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है।) वर्तमान काल की क्रिया से क्रियार काजटि এখনও শেষ হয়नि बोधा याछे। तাকে बना वर्तमान काल। वेमन—

স্বপন খাটা হৈ । (সপ্ন খাতা হয়।) — স্বপন খাচ্ছে।
 তপন পড়তা হৈ । (তপন পড়তা হয়।) — তপন পড়ছে।
 মীনা সৈর করতী হৈ । (মীনা সায়র করতী হয়।) — মীনা বেড়াচ্ছে।
 উপরোক্ত তিনটি বাক্যে যথাক্রমে—খাটা হৈ, পড়তা হৈ, সৈর করতী হৈ । ক্রিয়াপদগুলির দ্বারা খাচ্ছে, পড়ছে, বেড়াচ্ছে বোঝা যাচ্ছে, কিন্তু খাওয়া, পড়া ও বেড়ানো এখনও চলছে, শেষ হয়নি। সেজন্য এগুলি বর্তমান কাল।
 হিন্দীতে বর্তমান কাল তিনভাগে বিভক্ত। যেমন—১. সামান্য বর্তমান, (সামান্যইয় ওয়র্তমান) — সামান্য বর্তমান। ২. তাৎকালিক বা অপূর্ণ বর্তমান (তাৎকালিক ইয়া অপূর্ণ ওয়র্তমান) — ঘটমান বর্তমান এবং ৩. পূর্ণ বর্তমান (পূর্ণ ওয়র্তমান) — পূর্ণ বর্তমান কাল।

১. সামান্য বর্তমান (সামান্যইয় ওয়র্তমান) — সামান্য বর্তমান কাল—সামান্য বর্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ বর্তমান কাল মেনে হুয়া হৈ, যহ বোধ হোতা হৈ । (সামান্যইয় ওয়র্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ ওয়র্তমান কাল মেনে হুয়া হয়, ইহা বোধ হোতা হয়।) — সামান্য বর্তমান কালের সাহায্যে কাজটি বর্তমান কালে শুরু হয়েছে এই ধারণা জন্মে। আবার যে বর্তমান কালের ক্রিয়াপদের সাহায্যে বর্তমান কালের সামান্যতা পরিনামিত হয়, তাকে সামান্য বর্তমান কাল বলে।

উদাহরণ (উদাহরণ)

মैं खाता हूँ । (मैं खाता हूँ।) — আমি খাচ্ছি।
 हम खाते हैं । (हम खाते हैं।) — আমরা খাচ্ছি।
 तू खाता है । (तू खाता है।) — তুই খাচ্ছিস।
 तुम खाता है । (तुम खाता है।) — তুমি খাচ্ছ।
 वह खाता है । (वह खाता है।) — সে খাচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি সামান্য বর্তমান কাল। এই বাক্যগুলিতে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে পুণিস্থ 'তা', বহুবচনে 'তে' এবং 'হায়' প্রত্যয় একবচনে ও 'হায়' বহুবচনে যুক্ত হয়েছে।

খ্রীলিঙ্গ ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' যুক্ত হয়, তায় কিং একই প্রকার থাকে। যেমন—

मैं खाती हूँ । (मैं खाती हूँ।) — আমি খাচ্ছি।
 हम खाती हैं । (हम खाती हैं।) — আমরা খাচ্ছি।
 तू खाती है । (तू खाती है।) — তুই খাচ্ছিস।
 तुम खाती हो । (तुम खाती हो।) — তুমি খাচ্ছ।
 वह खाती है । (वह खाती है।) — সে খাচ্ছে।
 वे खाती हैं । (वे खाती हैं।) — তারা (তাহারা) খাচ্ছে।
 উপরের বাক্যগুলি লক্ষ্য করলেই দেখা যাবে, ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' এবং 'হৈ', 'হায়' ও 'হায়' যুক্ত হয়েছে।

২. তাৎকালিক বর্তমান কাল (তাৎকালিক ওয়র্তমান কাল)।

ঘটমান বর্তমান কাল

ক্রিয়া কে जिस रूप से उसका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं । (क्रिया के जिस रूप से उसका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे তাৎকালিক ওয়র্তমান কাল कहते हैं।) — ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা বর্তমান কালে যখন কোনও কাজ চলছে বা শেষ হচ্ছে বোঝায়, তাকে তাৎকালিক বর্তমান কাল।
 যেমন—

मैं जा रहा हूँ । (मैं जा रहा हूँ।) — আমি চলিতেছি।
 कमल जा रहा है । (कमल जा रहा है।) — কমল যাচ্ছে।
 तू जा रहे हो । (तू जा रहे हो।) — তুমি যাচ্ছ।
 हम जा रहे हैं । (हम जा रहे हैं।) — আমরা যাচ্ছি।
 वह जा रहा है । (वह जा रहा है।) — সে যাচ্ছে।
 वे जा रहे हैं । (वे जा रहे हैं।) — তারা (তাহারা) যাচ্ছে।
 तू जा रहा है । (तू जा रहा है।) — তুই যাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে, চলা ক্রিয়াটি আরম্ভ হয়েছে বটে, কিন্তু এখনও শেষ হয়নি। কাজটি চলছে। এই রকম ক্রিয়াকে ঘটমান বর্তমান বা তাৎকালিক বর্তমান (তাৎকালিক ওয়র্তমান) বলা হয়।

তাৎকালিক বর্তমানে ক্রিয়ার সঙ্গে পুণিস্থ একবচনে 'রহা' (रहा) পুণিস্থ বহুবচনে 'রহে' (रहे) যুক্ত হয় এবং খ্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই 'রহী' (रही) যুক্ত

হয়। সাহায্যকারী ক্রিয়া বচন অনুসারে ব্যবহৃত হয়। যেমন—
একবচনে—হুঁ (হুঁ), হৈ (হায়), হৌ (হৌ) ব্যবহৃত হয়।
বহুবচনে—হैं (হায়) ব্যবহৃত হয়।

৩. পূর্ণ বর্তমান কাল (পূরুঁ ওয়রতমান কাল) পূর্ণ বর্তমান কাল

কোনও কাজ পূর্বে আরম্ভ হয়েছে এবং সবেমাত্র শেষ হয়েছে, তখনো তার রেশ চলছে, ক্রিয়ার এই কালকে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে। যেমন—

মैं खाता हूँ । (মায় খাতা হুঁ।)—আমি খাচ্ছি।

हम खाते हैं । (হম খাতে হায়।)—আমরা খাচ্ছি।

वह खाता है । (ওয়হ খাতা হায়।)—সে খাচ্ছে।

वे खाते हैं । (ওয়ে খাতে হায়।)—তারা (তাহারা) খাচ্ছে।

तु खाता है । (তু খাতা হায়।)—তুমি খাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলি দ্বারা বোঝা যায় খাওয়া কাজটি সবেমাত্র শেষ হয়েছে বটে, তার রেশ এখনও চলছে। এজন্য একে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে।

ভূত কাল (ভূত কাল)—অতীত কাল

ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে हुए समय का बोध होता है। (ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে হুএ সময় কা বোধ হোতা হায়।)—ভূত কালের ক্রিয়ার দ্বারা কাজটি শেষ হয়েছে বোঝায়। অর্থাৎ যে ক্রিয়া আগেই শেষ হয়ে গেছে বোঝায়, তাকে ক্রিয়ার ভূত কাল বলে। যেমন—

राम कल चला गया । (রাম কল চলা গয়া।)—রাম কাল চলে গেছে।

भारत स्वाधीन हो गया । (ভারত সওয়াধীন হো গয়া।)—ভারত স্বাধীন হয়ে গেছে।

এখানে প্রথম বাক্যে রামের খাওয়া কাজটি কালই শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। দ্বিতীয় বাক্যে ভারত আগেই স্বাধীন হয়ে গেছে বোঝাচ্ছে। অতএব বাক্যগুলি ভূত কাল বা অতীত কাল।

हिन्दी में भूत काल को त्रः वर्ग में बांटा हुआ । (হিন্দী মেঁ ভূত কাল কো ত্রঃ ওয়রগ মেঁ বাঁটা হুয়া।)—হিন্দীতে ভূত কালকে ত্রয়ীতে ভাগ করা হয়েছে। যেমন— ১. সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)—সামান্য অতীত কাল। ২. আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত

কাল)—আসন্ন অতীত কাল। ৩. পূর্ণ ভূত কাল (পূরুঁ ভূত কাল)—পূর্ণ অতীত। ৪. সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)—সন্দিগ্ধ অতীত কাল। ৫. তাত্কালিক ভূত কাল (তাৎকালিক ভূত কাল)—ঘটমান অতীত কাল। হেতু হেতুমদ ভূত কাল (হেতু হেতুমদ ভূত কাল)—শর্তসাপেক্ষ অতীত কাল। সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)—যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্তার যাবার ধারণা জন্মে, তাকে সামান্য ভূত কাল বলে। যেমন—
वह चला (ওয়হ চলা)—সে চলল। हम चले (হম চলে)—আমরা যাই। तुम चले (তুম চলে)—তুমি চললে। मैं जाता (মায় জাতা)—আমি যাই। वे चले (ওয়ে চলে)—তারা চলল।

সামান্য ভূতকালে ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে 'আ' যুক্ত করতে হয়। অর্থাৎ ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'আ' যুক্ত করলে এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করলে, সামান্য ভূত কাল হয়। যেমন—

পুংলিঙ্গ

স্ত্রীলিঙ্গ

बोल+आ = बोला (বলল) বोल+ई = बोली (বলল)

चल+आ = चला (চলল) चल+ई = चली (চলল)

देख+आ = देखा (দেখল) देख+ई = देखी (দেখল)

উপরোক্ত অ-কারান্ত (অ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে এইভাবে পুংলিঙ্গে—'আ' এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালের ক্রিয়ায় পরিণত করা হয়।

কিন্তু যে সব ধাতুর সঙ্গে 'আ-কার' যুক্ত থাকে, অর্থাৎ আ-কারান্ত (আ-কারান্ত) ধাতুর সঙ্গে 'থী' বা 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালে রূপান্তরিত করা হয়।

আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত কাল)

क्रिया के जिस रूपसे उस के पूरा होने का समय निकट में ही संख्या जाता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं। (ক্রিয়াকে জিস রূপসে উস্কে পূরা হোনে কা সময় নিকট মেঁ হী সমখা জাতা হায়, উসে আসন্ন ভূত কাল কহতে হায়।)—ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা কার্য সম্পন্ন হবার সময় খুব নিকটবর্তী জানা যায় বা বোঝা যায়, তাকেই আসন্ন ভূত কাল বলে। যেমন—

मैं खा चुका हूँ । (মায় খা চুকা হুঁ।)—আমি খেয়েছি।

हम खा चुका हैं । (हम् खा चुका ह्य़ा।)—आमरा खेयेछि।

उपरोक्त वाक्य दूटिं द्वारा बोका याय 'खाওয়া' क्रियाटि चलहे वा शुरू हते चलेहे। एङ्गना एङ्गलि आमर भूत काल।

पूर्ण भूत काल (पूर्ण भूत काल)

एहि क्रियार वाक्यगुनि अतीत कालेर मतो शोनालोओ प्रकृतपक्षे एहि सब वाक्य पूर्ण भूत कालेर। येमन—

मैं खाया था । (मय़ खाया था।)—आमि खेयेछिलाम।

हम खाये थे । (हम् खाये थे।)—आमरा खेयेछिलाम।

तु खाया था । (तू खाया था।)—तूई खेयेछिस।

उपरोक्त वाक्यगुनि 'खाওয়া' क्रियाटि शेष हयेछे बोका याछे। अर्थात् एङ्गले क्रिया कार्य सम्पूर्ण हयेछे जाना याछे। एङ्गना एङ्गलि पूर्ण भूत काल।

सन्दिग्ध भूत काल (सन्दिग्ध भूत काल)

जिस भूत काल की क्रिया के होने में, सन्देह हो उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हैं । (जिस भूतकाल की क्रियाके होने में सन्देह हो, उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते ह्य़ा।)—ये सकल भूत कालेर क्रियार सन्देह हय, ताके सन्दिग्ध भूत काल बले। येमन—

मैंने देखा होगा । (मय़ने देखा होगा।)—आमि हयतो देखेछिलाम।

हमने देखे होंगे । (हम्ने देखे होङ्गे।)—आमरा हयतो देखेछिलाम।

उपरोक्त वाक्य दूटिं देखा क्रियाटि सन्देह आछे। एङ्गना एके बला हय सन्दिग्ध भूत काल।

सन्दिग्ध भूत काले पुलिङ्ग एकवचने क्रियार सङ्गे होगी' प्रत्यय युक्त हय एवं पुलिङ्ग बहुवचने—होंगे' युक्त हय। त्रीलिङ्ग उभय वचने क्रियार सङ्गे ई' युक्त हय ओ प्रत्ययेर सङ्गे होगी (होगी) होंगी (होङ्गी) युक्त हय। येमन—

मैंने देखी होगी । (मय़ने देखी होगी।)—आमि हयतो देखेछिलाम।

हमने देखी होंगी । (हम्ने देखी होङ्गी।)—आमरा हयतो देखेछिलाम।

तात्कालिक भूत काल (तात्कालिक भूत काल)

जिस क्रिया से यह समझ में आता है कि भूत काल के क्रिया

चल रहा है, उसे तात्कालिक भूत काल कहते हैं । (जिस क्रिया से हयत् समय में आता हय कि भूत काल के क्रिया चल रहा हय, उसे तात्कालिक भूत काल कहते ह्य़ा।)—ये क्रियार द्वारा एहि बोका याय ये, भूत कालेर क्रिया चलहे, ताके तात्कालिक भूत काल बले। येमन—

मैं खा रहा था । (मय़ खा रहा था।)—आमि खाछिलाम।

हम खा रहे थे । (हम् खा रहे थे।)—आमरा खाछिलाम।

उपरोक्त वाक्य दूटिं 'खाওয়া' क्रियाटि चलहे बोका याछे, एङ्गना एके तात्कालिक भूत काल बला हय।

तात्कालिक भूत काले क्रियार सङ्गे पुलिङ्ग एकवचने था' (था) ओ बहुवचने थे' (थे) युक्त करे एवं साहायकारी क्रियार सङ्गे रहा' (रहा) 'रहे' (रहे) युक्त करे हय।

त्रीलिङ्ग एकवचने साहायकारी क्रियार सङ्गे ई' (ई) ओ थी' (थी), ओ बहुवचने साहायकारी क्रियार सङ्गे ई' (ई) ओ थीं (थीं) युक्त करे तात्कालिक भूत काल करा हय। येमन—

मैं खा रही थी । (मय़ खा रही थी।)—आमि खाछिलाम।

हम खा रही थीं । (हम् खा रही थीं।)—आमरा खाछिलाम।

हेतु हेतुमद भूत काल (हेतु हेतुमद भूत काल)

जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हैं । (जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते ह्य़ा।)—ये समस्त भूत कालेर क्रिया सम्पन्न हवार जना अपर क्रियार उपर निर्भर करे, ताके हेतु हेतुमद भूत काल बले। येमन—

यदि मैं खेलता । (हयदि मय़ खेलता।)—यदि आमि खेलताम।

यदि हम खेलते । (हयदि हम् खेलते।)—यदि आमरा खेलताम।

त्रीलिङ्ग एहि क्रियार रूप हय निम्नरूप—

यदि मैं खेलती । (हयदि मय़ खेलती।)—यदि आमि खेलताम।

यदि हम खेलती । (हयदि हम् खेलती।)—यदि आमरा खेलताम।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে ক্রিয়া সম্পূর্ণ হয় নাই অন্য কোনও ক্রিয়ার অপেক্ষায় আছে। সেজন্য একে হেতু হেতুভূত কাল বলে। বাক্যগুলি লক্ষ্য করলে দেখা যাবে এই ক্রিয়ার পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'আ' (আ) এবং বহুবচনে 'এ' (এ) যুক্ত হয়েছে। আবার স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে 'তী' (তী) ও বহুবচনে 'তী' (তী)—যুক্ত হয়েছে।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—মैं, तू, तुम, वह, आप, उसने एक सेब खाया। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়া।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे, बहुत, सेबों खाये। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত সেবোঁ খায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तुम, वह, आप, उसने एक सेब खायी। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়ী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत सेबों खाया है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত সেবোঁ খায়া হৈ।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तुम, वह, आप, उसने एक फल खाया है। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হৈ।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে হৈ।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तुम, वह, आप, उसने एक फल खायी है। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী হৈ।)—আমি, তুই,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाया है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়া হৈ।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

পূর্ণ ভূত কাল (পূর্ণ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तुम, वह, आप, उसने एक फल खाया था। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া থা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছিল বা খেয়েছি।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये थे। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে থে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছিলাম বা খেয়েছিল।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तुम, वह, आप, उसने एक फल खायी थी। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী থী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खायी थीं। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী থী।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया होगा। (মায়নে, তুনে, তুমনে, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হোগা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছি বা খেয়েছিল।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये होंगे। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ে হোগে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल

खायी होगी । (माँ, तू, तुम, आप, उसने एक फल खाया होगा।) —आमि, तूई, तूमि, से, आपनि, तिनि एकटि फल खायो वेखेहि वा वेखेहि।

पुननिश्चय वचन—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खायी होगी । (हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, और बहुत फलों खाये होगी।) —आमरा, तोरा, तोमरा, आपनारा, तारा अनेक फल खायो वेखेहि वा वेखेहि।

सम्भाव्य भूत काल (नञ्चाक भूत काल)

पुननिश्चय एकवचन—मैं, तु, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया हो । (माँ, तू, तुमने, और, आप, उसने एक फल खाया हो।) —आमि, तूई, तूमि, से, आपनि, से एकटि फल खेयेहि वा खेयेहि।

पुननिश्चय बहुवचन—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाये हो । (हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, और बहुत फलों खाये हो।) —आमरा, तोरा, तोमरा, आपनारा, तारा अनेक फल खेयेहि वा खेयेहि।

पुननिश्चय एकवचन—मैं, तु, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया हो । (माँ, तू, तुमने, और, आप, उसने एक फल खाया हो।) —आमि, तूई, तूमि, से, आपनि, से एकटि फल खेयेहि वा खेयेहि।

पुननिश्चय बहुवचन—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खायी हो । (हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, और बहुत फलों खायी हो।) —आमरा, तोरा, तोमरा, आपनारा, तारा अनेक फल खेयेहि वा खेयेहि।

सम्भाव्य पूर्ण भूत काल (सञ्चाक पूर्ण भूत काल)

पुननिश्चय एकवचन—मैं, तु, तुम, आप, उसने एक फल खाया होगा । (माँ, तू, तुम, आप, उसने एक फल खाया होगा।) —आमि, तूई, तूमि, आपनि, से एकटि फल खेयेहि वा खेयेहि।

पुननिश्चय बहुवचन—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाया होगा । (हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, और बहुत फलों खाया होगा।) —आमरा, तोरा, तोमरा, आपनारा, तारा अनेक फल खेयेहि वा खेयेहि।

पुननिश्चय एकवचन—मैं, तु, तुम, आप, उसने एक फल खाया

होगी । (माँ, तू, तुम, आप, उसने एक फल खाया होगी।) —आमि, तूई, तूमि, आपनि, से एकटि फल खेयेहि वा खेयेहि।

पुननिश्चय बहुवचन—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खायी होगी । (हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, और बहुत फलों खायी होगी।) —आमरा, तोरा, तोमरा, आपनारा, तारा अनेक फल खेयेहि वा खेयेहि।

सम्भाव्य भविष्यत (सञ्चाक भविष्यत)

मैं चलूँ । (माँ चलूँ।) —आमि चलवो। हम चले । (हम चले।) —आमरा चलवो।

तुम चलो । (तुम चलो?) —तूमि कि चलवे?

वह चला । (वह चला?) —से कि चलवे? तु चल । (तु चल?) —तूई-

मैं चला । (मैं चला?) —आमि कि चलवे?

०१०५०॥०५५७

पाठ—९ (पाठ—९)

क्रिया विशेषण (क्रिया विशेषण) —क्रिया विशेषण

जो पद क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं । (जो पद क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं।) — ये अण्व्यय वा पद क्रिया की विशेषता ज्ञान करते, ताके क्रिया विशेषण बने।

श्याम जल्दी आता है । (श्याम जल्दी आता है।) —श्याम ताड़ताड़ि आने।

सीता हमेशा आती है । (सीता हमेशा आती है।) —सीता आयेई आने।

उपदेशक वाक्य 'जल्दी' (जल्दी) और 'हमेशा' (हमेशा) शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं (आता है) और आती है (आती है) क्रिया की विशेषता प्रकाश पड़े। अर्थात् श्याम जल्दी आने आने—जल्दी (जल्दी) ताड़ताड़ि आने और सीता हमेशा आने आने—हमेशा (हमेशा) आयेई आने आने क्रिया की विशेषता बताते हैं।

अव्यय (अव्यय) —अव्यय

जिस शब्द में विकार नहीं होता, उसे अव्यय कहते हैं । (जिस

মুন্না রাজ

শ্যামনগর/হরিনগর

মোবা: ০১৯৫০১১৯৫৪৭

মেইল: munnaraj494@gmail.com

fbook: /munnaraj

.munnaraj494@gmail.com

password:munna

যারা ফেসবুকে অনুপ্রবেশ করবে
তাদের জন্য ডাউনলোড লিংক দেওয়া হবে



আমার কাছে HSC এর বিজ্ঞান বিভাগ
এর সকল ইবুক ওভিডিও টিউটোরিয়াল আছে।
আর BCS/ব্যাংক/ভর্তি পরিক্ষার জন্য আছে অসংখ্য
ইবুক। এছাড়া মহাভারত সহ বিভিন্ন কবিদের ইবুক আছে।
ধাধা, গল্পের বই, গ্রামার, বিভিন্ন ভাষা শিক্ষা, ইলেক্ট্রনিক শিক্ষা
এর অফুরান্ত ইবুক আছে।

PIP